शुभ दिपावली

दीपावली के पावन पर्व की आप सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं व शुभचिन्तकों को शुभकामनाएं।

सूचना -दीपावली व भाईदूज के पावन पर्व पर दैनिक 'धनुषधारी' कार्यालय का अवकाश रहेगा। अत: पाठकों से हमारी अगली मुलाकात 13 नवंबर, 2026 के अंक के रूप में होगी
- व्यवस्थापक

दैनिक
धनुष धारी

सिर्फ 2 रू.

संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी

वर्ष-33, अंक 292, उल्हासनगर, रविवार 8 नवंबर 2026 (पृष्ठ 16) | Mob. No. 9325937797 | E-mail Add.:- newsddd@gmail.com dailydhanushdhari@yahoo.com | Post Regd No.THC/111/2024-2026 RNI No. 68359/93,

dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com



इंस्टाग्राम पर सोफा खरीदने के चक्कर में युवक को लगा 10 हजार रूपये का चूना

उल्हासनगर (नि.स.)। सोशल मीडिया पर ऑनलाइन खरीदारी का बढ़ता चलन अब साइबर ठगों के लिए लोगों को निशाना बनाने का आसान जरिया बनता जा रहा है। इंस्टाग्राम पर सस्ता और आकर्षक सोफा खरीदने के चक्कर में उल्हासनगर के एक युवक को 10 हजार रुपये की चपत लग गई। दरअसल फर्नीचर बेचने के नाम पर ऑनलाइन भुगतान लेने के बाद अज्ञात आरोपियों ने युवक के साथ आर्थिक धोखाधड़ी की। इस मामले में विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में साइबर ठगी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कैंप 4 के मराठा सेक्शन परिसर में तने वाले किरण हरड ने इंस्टाग्राम पर 'Omkar_furniture' (Omkar Furniture Ahmedabad) नामक पेज देखा था। इस पेज पर सोफा बिक्री के लिए उपलब्ध होने की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने ऑनलाइन सोफा खरीदने का निर्णय लिया।

आरोप है कि सोफा बेचने के नाम पर अज्ञात मोबाइल धारक ने किरण से संपर्क किया और ऑनलाइन माध्यम से 10,000 रुपये प्राप्त कर लिए। किरण ने भरोसा करके रकम का भुगतान कर दिया, लेकिन इसके बाद उनके साथ धोखाधड़ी हुई। इस तरह सोफा खरीदने की कोशिश में उन्हें 10 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। अपने साथ हुई इस ऑनलाइन ठगी के बाद किरण गणपत हरड ने विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318(4) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 66(डी) के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बहरहाल मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक प्रशांत खरात कर रहे हैं।

दिवाली की खरीदारी से गुलजार हुए उल्हासनगर के बाजार



उल्हासनगर (नि.स.)। रोशनी, खुशियों और उत्साह के पर्व दीपावली को लेकर उल्हासनगर में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। दिवाली के अवसर पर शहर के बाजार खरीदारों की भीड़ से गुलजार हो गए हैं। हालांकि, इस बार त्योहार के शुरुआती दिनों में बाजारों में अपेक्षाकृत ठंडापन नजर आ रहा था, लेकिन दिवाली से पहले अंतिम सप्ताह में बाजारों की रौनक लौट आई और खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर निकले। उल्हासनगर के नेहरू चौक, शीरु चौक, मुख्य बाजार, जापानी बाजार सहित कैंप 1 से 5 तक प्रमुख बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों में दिनभर खरीदारों की चहल-पहल बनी रही। लोगों ने दिवाली के लिए नए कपड़े, घरों की सजावट का सामान, आकर्षक लाइटिंग, दीपक, रंगोली की सामग्री और पटाखों की जमकर खरीदारी की। वहीं, मिठाइयों और फरसाण की दुकानों पर भी ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली।

दिवाली की खरीदारी के चलते पिछले एक से डेढ़ सप्ताह के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था भी प्रभावित रही। प्रमुख चौक-चौराहों और बाजारों में ट्रैफिक पुलिस के जवानों तथा ट्रैफिक वार्डनों की तैनाती की गई थी, जो यातायात को सुचारु बनाए रखने का प्रयास करते नजर आए। इसके बावजूद सड़कों पर बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही, संकरी सड़कें और गलियां, भारी वाहनों की मौजूदगी तथा जगह-जगह लगे हॉकर्स के कारण कई इलाकों में जाम की स्थिति बनी रही। विशेषकर प्रमुख बाजारों में वाहन चालकों और राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद त्योहार को लेकर लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दी। दिवाली ऐसा पर्व है, जब लोग अपने परिवार के साथ बाजारों में घूमने, खरीदारी करने और अपनों के लिए उपहार व खुशियां जुटाने के लिए दिल खोलकर खर्च करते हैं। घरों की सजावट से लेकर नए परिधान, मिठाइयों और त्योहार से जुड़ी अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी तक, हर तरफ उत्सव का माहौल नजर आया। शुरुआती दिनों में सुस्त रहे बाजारों में अंतिम सप्ताह के दौरान लौटी इस रौनक ने व्यापारियों के चेहरों पर भी मुस्कान ला दी। अब दीपावली के पावन अवसर पर पूरा शहर रोशनी, उमंग और खुशियों के माहौल में सराबोर नजर आ रहा है। इस अवसर पर सभी शहरवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

आयकर रिटर्न भरने वालों पर राशन विभाग का शिकंजा!

उल्हासनगर में 7 हजार राशन कार्ड रद्द, साढ़े 4 हजार और रडार पर



उल्हासनगर (नि.स.)। आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वाले राशन कार्डधारकों पर सरकारी नियमों की गाज गिरनी शुरू हो गई है। उल्हासनगर में इस कार्रवाई के चलते अब तक करीब 7 हजार राशन कार्ड रद्द किए जा चुके हैं, जबकि साढ़े 4 हजार अन्य राशन कार्ड भी कार्रवाई के दायरे में हैं। हैरानी की बात यह है कि परिवार के किसी एक सदस्य ने यदि आयकर रिटर्न दाखिल किया है, तो भले ही उसका रिटर्न 'जीरो रिटर्न' क्यों न हो, पूरे परिवार को सस्ते अनाज की सुविधा से हाथ धोना पड़ सकता है। इस कार्रवाई से हजारों परिवारों में चिंता का माहौल है।

राज्य सरकार के निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुसार सालाना 59 हजार रुपये तक की आय वाले परिवारों को रियायती दरों पर अनाज का लाभ दिया जाता है। लेकिन परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा आयकर विवरणपत्र दाखिल किए जाने पर संबंधित राशन कार्ड को सफेद श्रेणी में वर्गीकृत किया जा रहा है। इसका सीधा असर पूरे परिवार की खाद्यान्न सुविधा पर पड़ रहा है। राशन वितरण अधिकारी ज्योति कैलास भोर के अनुसार, इन नियमों के तहत उल्हासनगर-1, उल्हासनगर-2 और उल्हासनगर-3 क्षेत्रों में अब तक 7 हजार राशन कार्ड रद्द किए गए हैं। इसके अलावा करीब 4 हजार 500 राशन कार्ड बंद करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। संबंधित राशन कार्डों की सूची भी सार्वजनिक कर दी गई है। उल्हासनगर क्षेत्र में कुल 56 हजार राशन कार्ड पंजीकृत हैं, जिनमें से वर्तमान में 49 हजार 262 राशन कार्ड सक्रिय हैं। इन कार्डों के माध्यम से करीब 1 लाख 74 हजार 845 लाभार्थियों को सरकारी राशन योजना का लाभ दिया जा रहा है। ऐसे में हजारों राशन कार्डों पर हो रही कार्रवाई से बड़ी संख्या में परिवार प्रभावित होने की आशंका है।



दैनिक धनुष धारी

सम्पादकीय...

स्वस्थ और खुशियों भरी हो दीवाली

अब समय है कि दीपावली के महापर्व के संदेश को वृहद रूप दिया जाये. इस त्यौहार को अब मानवता और समानता का प्रतिक भी माना जाये, ताकि हमारे देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में आज जहां हिंसा और असमानता का रावण राज कर रहा है. हिंसा और असमानता ने लोगों का जीना दुश्वार किया हुआ है. ऐसे अशांत और असमान माहौल में दीपावली का महापर्व प्रासंगिक है और इस त्यौहार को अब राम राज्य का संदेश देने वाले महापर्व के रूप में मनाया जाना चाहिए, जिस राम राज्य में हिंसा की कोई जगह नहीं होती, जिस राम राज में राजा और रंक दोनों ही समान रूप से जीवन यापन करते हैं. खुशियों का माहौल चहुओर रहता है. कोई किसी से भेदभाव, इर्ष्या या वैमन्य नहीं रखता, सभी एक राजा के राज में खुशी-खुशी रहते हैं. आज के अशांत और हिंसक परिपेक्ष में राज राज की नितांत आवश्यकता है. हिन्दू हो या मुस्लिम, सिख हो या ईसाई सभी लोग शांति के साथ खुशी-खुशी अपने परिजनों के साथ जीवन जीने की ख्वाहिश रखते हैं और यह ख्वाहिश राम राज में ही निहित है। इसलिए राम राज की परिकल्पना के साथ हमें दीपावली का त्यौहार मनाना चाहिए और अन्यों को भी हमारी इस खुशी में शामिल करना चाहिए।

अब इस पर्व को स्वास्थ्य से जोड़ते हैं। घर, दुकान और दफ्तर की सफाई करने के बाद लोग पुरानी चीजों या सामान को नदी-नाले में 'परवान' करते हैं जिसमें बड़ी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां भी होती हैं और ऐसा सामान भी जो नदी नाले को 'जाम' कर देता हैं. इससे हमें बचना चाहिए। दूसरी बात, लोग जमकर पटाखे फोड़ते हैं। आजकल तो लंबी पटाखों की लड़ें फोड़ने का चलन है, जिससे बड़ी मात्रा में कसैला धुंआ फैलता है, और हजारों रूपए के पटाखे 'स्वाहा' हो जाते हैं। इसमें जिन लोगों को खुशी मिलती है वह क्षणिक होती है। परंतु धुंएं से जो बीमारियां पनपती हैं, उसका क्या? इसके अलावा दिवाली पर जो मिठाई बनती है। वह होती तो खुशी का प्रतीक है परंतु खुशी-खुशी में लोग मिठाई खा लेते है बाद में उनको याद आता हैं कि कुछ ज्यादा ही 'मीठा' हो गया। मधुमेह का रोग भी इतना ज्यादा फैला हुआ है कि लोगों को चाय के बारे में भी पूछना पड़ता है कि फीकी पीएंगे या शक्कर वाली चाय। सो दिवाली में ज्यादा मीठा खान पान भी सेहत के लिए हानिकारक है। इसलिए 'धनुषधारी' परिवार आप सबको विनंती कर रहा है कि अगर स्वास्थ दिवाली मनानी है तो साफ सफाई में निकले कचरे को व्यवस्थित ढंग से 'डंप' करें। पटाखे जरूर फोड़े पर वही पटाखे जलाएं जिससे ध्वनि प्रदूषण और वायू प्रदूषण न हो। 'धनुषधारी' परिवार की तरफसे आप सभी को दीपावली की ढेर सारी शुभकामनाएं।

संपादक, टीकम लालवानी

प्रकाश पर्व दीपावली

दीपावली का अर्थ है दीपों की पंक्ति। दीपावली शब्द 'दीप' एवं 'आवली' की संधिसे बना है। आवली अर्थात पंक्ति, इस प्रकार दीपावली शब्द का अर्थ है, दीपोंकी पंक्ति । भारतवर्षमें मनाए जानेवाले सभी त्यौहारों में दीपावलीका सामाजिक और धार्मिक दोनों दृष्टि से अत्यधिक महत्व है। इसे दीपोत्सव भी कहते है।



तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात् 'अंधेरे से ज्योति अर्थात प्रकाश की ओर जाइए' यह उपनिषदों की आज्ञा है। इसे सिख, बौद्ध तथा जैन धर्म के लोग भी मनाते हैं। माना जाता है कि दीपावली के दिन अयोध्या के राजा श्री रामचंद्र अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात लौटे थे। अयोध्यावासियों का हृदय अपने परम प्रिय राजा के आगमन से उल्लसित था। श्री राम के स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीए जलाए । कार्तिक मास की सघन काली अमावस्या की वह रात्रि दीयों की रोशनी से जगमगा उठी। तब से आज तक भारतीय प्रति वर्ष यह प्रकाश-पर्व हर्ष व उल्लास से मनाते हैं। यह पर्व अधिकतर ग्रिगेरियन कैलन्डर के अनुसार अक्तूबर या नवंबर महीने में पड़ता है। दीपावली दीपों का त्योहार है। इसे दीवाली या दीपावली भी कहते हैं। दीवाली अँधेरे से रोशनी में जाने का प्रतीक है। भारतीयों का विश्वास है कि सत्य की सदा जीत होती है झूठ का नाश होता है। दीवाली यही चरितार्थ करती है- असतो माऽ सद्गमय , तमसो माऽ ज्योतिर्गमय। दीपावली स्वच्छता व प्रकाश का पर्व है। कई सप्ताह पूर्व ही दीपावली की तैयारियाँ आरंभ हो जाती है। लोग अपने घरो, दुकानो आदि की सफाई का कार्य आरंभ कर देते हैं। घरों में मरम्मत, रंग-रोगन,सफ़ेदी आदि का कार्य होने लगता है। लोग दुकानों को भी साफ़ सुथरा का सजाते हैं। बाज़ारों में गलियों को भी सुनहरी झांडियों से सजाया जाता है। दीपावली से पहले ही घर-मोहले, बाज़ार सब साफ-सुथरे व सजे-धजे नज़र आते हैं।

दीप जलाने की प्रथा के पीछे अलग-अलग कारण या कहानियाँ है। राम भक्तो के अनुसार दीवाली वाले दिन अयोध्या के राजा राम लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध करके अयोध्या लौटे थे। उनके लौटने कि खुशी मे आज भी लोग यह पर्व मनाते है। कृष्ण भक्तिधारा के लोगों का मत है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचारी राजा नरकासुर का वध किया था। इस नृशंस राक्षस के वध से जनता में अपार हर्ष फैल गया और प्रसन्नता से भरे लोगों ने घी के दीए जलाए। एक पौराणिक कथा के अनुसार विष्णु ने नरसिंह रुप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। जैन मतावलंबियों के अनुसार चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस भी दीपावली को ही है। सिक्खों के लिए भी दीवाली महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन ही अमृतसर में 1577 में स्वर्ण मन्दिर का शिलान्यास हुआ था। और इसके अलावा 1619 में दीवाली के दिन सिक्खों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था। नेपालियों के लिए यह त्योहार इसलिए महान है क्योंकि इस दिन से नेपाल संवत में नया वर्ष शुरू होता है।

पंजाब में जन्मे स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुआ। इन्होंने दीपावली के दिन गंगातट पर स्नान करते समय ओम कहते हुए समाधि ले ली। महर्षि दयानन्द ने भारतीय संस्कृति के महान जननायक बनकर दीपावली के दिन अजमेर के निकट अवसान लिया। इन्होंने आर्य समाज की स्थापना की। दीन-ए-इलाही के प्रवर्तक मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल मे दौलतखाने के सामने 40 गज ऊँचे बाँस पर एक बड़ा आकाशदीप दीपावली के दिन लटकाया जाता था। बादशाह जहाँगीर भी दीपावली धूमधाम से मनाते थे। मुगल वंश के अंतिम सम्राट बहादुर शाह जफर दीपावली को त्योहार के रूप में मनाते थे और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में वे भाग लेते थे। शाह आलम द्वितीय के समय में समूचे शाही महल को दीपों से सजाया जाता था एवं लालकिले में आयोजित कार्यक्रमों में हिन्दू-मुसलमान दोनों भाग लेते थे।

पर्वों का समूह दीपावली



दीपावली के दिन भारत में विभिन्न स्थानों पर मेले लगते हैं। दीपावली एक दिन का पर्व नहीं अपितु पर्वों का समूह है। दशहरे के पश्चात ही दीपावली की तैयारियाँ आरंभ हो जाती है। लोग नए-नए वस्त्र सिलवाते है। दीपावली से दो दिन पूर्व धनतेरस का त्योहार आता है। इस दिन बाज़ारों में चारों तरफ जनसमूह उमड़ पड़ता है। बरतनों की दुकानों पर विशेष साज-सज्जा व भीड़ दिखाई देती है। धनतेरस के दिन बरतन खरीदना शुभ माना जाता है अतैव प्रत्येक परिवार अपनी-अपनी आवश्यकता अनुसार कुछ न कुछ खरीदारी करता है। इस दिन तुलसी या घर के द्वार पर एक दीपक जलाया जाता है। इससे अगले दिन नरक चतुर्दशी या छोटी दीपावली होती है। इस दिन यम पूजा हेतु दीपक जलाए जाते हैं। अगले दिन दीपावली आती है। इस दिन घरों में सुबह से ही तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं। बाज़ारों में खील-बताशे , मिठाइयाँ ,खांड के खिलौने, लक्ष्मी-गणेश आदि की मूर्तियाँ बिकने लगती है। स्थान-स्थान पर आतिशबाजी और पटाखों की दूकाने सजी होती हैं। सुबह से ही लोग रिश्तेदारों, मित्रों, सगे-संबंधियों के घर मिठाइयों व उपहार बाँटने लगते हैं। दीपावली की शाम लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती है।

कब होती है मां लक्ष्मी की कृपादृष्टी...

दीपावली पर लक्ष्मी जी आराधना कर सुख-समृद्धि, धन-ऐश्वर्य की कामना करने वाले असंख्य लोग बार-बार खाली हाथ रह जाते हैं, क्योंकि लक्ष्मी जी केवल दीपावली पर पूजन भर से प्रसन्न नहीं होती और आसानी से हर किसी पर कृपा नहीं करती। आखिर क्यों? लक्ष्मी जी के शब्दों में - जहां धर्म होता है, वहीं मैं निवास करती हूँ। जो अधर्म को त्याग कर धर्म ग्रहण करता है, उसी को मैं प्राप्त होती हूं। जो दान देते हैं, वेदों का अध्ययन करते हैं, अतिथि सत्कार करते हैं और सत्य का पालन करते हैं, उनके यहां मैं (लक्ष्मी) निवास करती हूं। जो सूर्योदय से पूर्व जाग जाते हैं, सूर्यास्त से पहले नहीं सोते, जो दीन, अनाथ, दुर्बल, रोगी और स्त्रियों पर दया करते हैं, जो धर्म परायण हैं, जिनके घर नित्य होम होता है, तुलसी, गौ और ब्राह्मण की पूजा होती है, जो परस्पर कलह नहीं करते, एक-दूसरे की सहायता करते हैं, माता-पिता गुरू और वृद्धजनों की उपासना करते हैं उनके यहां मैं निरंतर वास करती हूँ। जो सत्य परायण होते हैं, त्याग, दान और क्षमा से संपन्न होते हैं, अहंकार रहित, सहृदयी, पावन, करूणाशील, मृदुभाषी के घर को छोड़कर मैं कभी नहीं जाती। निद्रा, आलस्य, अप्रीति, ईर्ष्या, लापरवाही, खेद ये अवगुण जिनमें नहीं होते, उनके यहां मैं प्रसन्नतापूर्वक वास करती हूं। जो अधर्म से धन एकत्रित करते हैं, जो पुत्र पिता की आज्ञा का पालन और माता-पिता, वृद्ध, आचार्य, अतिथि और गुरू का सम्मान नहीं करते, उनके घरों में मैं कभी वास नहीं करती। जिनके घरों में भोजन ढका हुआ नहीं रहता, जो दूध को खुला छोड़ देते हैं और जूठे हाथों से दूध-घी आदि ले लेते हैं, जो स्त्रियां गंदी रहती हैं, घर की वस्तुओं को इधर-उधर फैलाकर रखती हैं, जिनमें उत्तम विचार नहीं होते, जो सदा पति के प्रतिकूल बातें करती हैं, जिन्हें दूसरों के घरों में रहना अधिक पसंद हैं, जिनमें न धैर्य है और न लज्जा, जो स्वभाव से निर्दयी और शरीर से अपवित्र होती है। काम-काज में जिनका मन नहीं लगता, जो सदा लड़ाई-झगड़ा किया करती है और अधिक सोती हैं, मैं उनके पास कभी नहीं रहती, उन्हें छोड़कर चली जाती हूं। जो मेरा पूजन करते हैं, उनके यहां मैं निवास करती हूं और जहां मैं रहती हूं वहां मेरे समान तेज वाली, मेरे समान गुणवाली आठ देवियां और रहती हैं। उनके नाम हैं - श्रद्धा, धृति, आशा, शान्ति, विजयी, संतति और क्षमा। हम सब आठों देवियां अधर्मी पुरूषों को त्यागकर धर्म परायण पुरूषों के साथ रहती हैं।











दीपावली पूजन में यह शुभ चीजें अवश्य होनी चाहिए

दीपावली के शुभ दिन महालक्ष्मी की पूजा का विधान है। इस पूजा के साथ ही घर और पूजा घर को सजाने के लिए मंगल वस्तुओं का उपयोग किया जाता है। आइए जानते हैं कि गृह सुंदरता, समृद्धि और दीपावली पूजन के कौन-से 8 शुभ प्रतीक है।

दीपक :- दीपावली के पूजन में दीपक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सिर्फ मिट्टी के दीपक का ही महत्व है। इसमें पांच तत्व हैं मिट्टी, आकाश, जल, अग्नि और वायु। अत: प्रत्येक हिन्दू अनुष्ठान में पंचतत्वों की उपस्थिति अनिवार्य होती है। कुछ लोग पारंपरिक दीपक की रोशनी को छोड़ कर लाइट के दीपक या मोमबत्ती लगाते हैं, जो कि उचित नहीं है।

रंगोली :- उत्सव-पर्व तथा अनेकानेक मांगलिक अवसरों पर रंगोली या मांडने से घर-आंगन को खूबसूरती के साथ सजाया जाता है। यह सजावट ही समृद्धि के द्वार खोलती है। घर को साफ सुथरा करके आंगन व घर के बीच में और द्वार के सामने और रंगोली बनाई जाती है।

कौड़ी :- पीली कौड़ी को देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। दीवापली के दिन चांदी और तांबे के सिक्के के साथ ही कौड़ी का पूजन भी महत्वपूर्ण माना गया है। पूजन के बाद एक-एक पीली कौड़ी को अलग-अलग लाल कपड़े में बांधकर घर में स्थित तिजोरी और जेब में रखने से धन समृद्धि बढ़ती है। तांबे का सिक्का तांबे में सात्विक लहरें उत्पन्न करने की क्षमता अन्य धातुओं की अपेक्षा अधिक होती है। कलश में उठती हुई लहरें वातावरण में प्रवेश कर जाती हैं। यदि कलश में तांबे के पैसे डालते हैं, तो इससे घर में शांति और समृद्धि के द्वार खुलेंगे। देखने में ये उपाय छोटे से जरूर लगते हैं, लेकिन इनका असर जबरदस्त होता है।

मंगल कलश :- भूमि पर कुंकु से अष्टदल कमल की आकृति बनाकर उस पर कलश रखा जाता है। एक कांस्य, ताम्र, रजत या स्वर्ण कलश में जल भरकर उसमें कुछ आम के पत्ते डालकर उसके मुख पर नारियल रखा होता है। कलश पर कुंकुम, स्वस्तिक का चिह्न बनाकर, उसके गले पर मौली (नाड़ा) बांधी जाती है। श्रीयंत्र धन और वैभव का प्रतीक लक्ष्मीजी का श्रीयंत्र, यह सर्वाधिक लोकप्रिय प्राचीन यंत्र है। श्रीयंत्र धनागम के लिए जरूरी है। श्रीयंत्र यश और धन की देवी लक्ष्मी को आकर्षित करने वाला शक्तिशाली यंत्र है। दीपावली के दिन इसकी पूजा होना चाहिए।

कमल और गेंदे के फूल :- कमल और गेंदे के पुष्प को शांति, समृद्धि और मुति का प्रतीक माना गया है। देवी-देवताओं की पूजा के अलावा घर की सजावट के लिए भी गेंदे के फूल की आवश्यकता लगती है। घर की सुंदरता, शांति और समृद्धि के लिए यह बेहद जरूरी है।

नैवेद्य और मीठे पकवान :- लक्ष्मीजी को नैवद्य में फल, मिठाई, मेवा और पेठे के अलावा धानी, बताशे, चिरौंजी, शक्करपारे, गुझिया आदि का भोग लगाया जाता है। नैवेद्य और मीठे पकवान हमारे जीवन में मिठास या मधुरता घोलते है।

दीपावली पूजन का सर्वोत्तम समय
अत्यंत लाभदायक शुभ मुहूर्त

वर्ष 2026 में दिवाली 8 नवंबर, रविवार को मनाई जाएगी। लक्ष्मी पूजा और शुभ मुहूर्त

- लक्ष्मी पूजा मुहूर्त शाम 5:54 बजे से रात 7:50 बजे तक (अवधि: 1 घंटा 56 मिनट)
- प्रदोष काल: शाम 5:31 बजे से रात 8:06 बजे तक
- वृषभ लग्न मुहूर्त शाम 5:54 बजे से शाम 7:50 बजे तक
- निशिता काल (रात्रि पूजा/व्यापारियों के लिए): रात 11:44 बजे से 12:36 बजे (9 नवंबर) तक



अमावस्या तिथि:

- आरंभ: 8 नवंबर 2026 को सुबह 11:27 बजे
- समापन: 9 नवंबर 2026 को दोपहर 12:31 बजे

नोट: आपके शहर या स्थान के अनुसार सूर्योदय और सूर्यास्त के समय में अंतर होने के कारण पूजा के मुहूर्त के समय में थोड़ा बदलाव हो सकता है।

नरक चतुर्दशी के दिन नरकासुर से श्रीकृष्ण ने ऐसे बचाया था 16100 कन्याओं को

कृष्ण अपनी आठों पत्नियों के साथ सुखपूर्वक द्वारिका में रह रहे थे। एक दिन ऋषिकेश के राजा वैकराज इंद्र ने आकर उनसे प्रार्थना की, हे कृष्ण! प्राग्ज्योतिषपुर के वैकराज भौमासुर से देवताओं की रक्षा कीजिए। वह देवताओं की स्त्रियों, अदिति के कुण्डल और देवताओं की मणि छीन ली है और वह त्रिलोक विजयी हो गया है। इंद्र ने कहा, भौमासुर ने पृथ्वी के कई राजाओं और आमजनों की अति सुन्दरी कन्याओं का हरण कर उन्हें अपने यहां बंदीगृह में डाल रखा है। कृपया आप हमें बचाइए प्रभु। इंद्र की प्रार्थना स्वीकार कर के श्रीकृष्ण अपनी प्रिय पत्नी सत्यभामा को साथ लेकर गरुड़ पर सवार हो प्राग्ज्योतिषपुर पहुंचे। वहां पहुंचकर भगवान कृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा की सहायता से सबसे पहले मुर सहित मुर के छः पुत्र- ताम्र, अंतरिक्ष, श्रवण, विभावसु, नभश्वान और अरुण का संहार किया।

मुर दैत्य के वध हो जाने पर नरकासुर युद्ध भूमि पर स्थित तिजोरी और जेब में रखने से धन समृद्धि बढ़ती है। तांबे का सिक्का तांबे में सात्विक लहरें उत्पन्न करने की क्षमता अन्य धातुओं की अपेक्षा अधिक होती है। कलश में उठती हुई लहरें वातावरण में प्रवेश कर जाती हैं। यदि कलश में तांबे के पैसे डालते हैं, तो इससे घर में शांति और समृद्धि के द्वार खुलेंगे। देखने में ये उपाय छोटे से जरूर लगते हैं, लेकिन इनका असर जबरदस्त होता है।

मंगल कलश :- भूमि पर कुंकु से अष्टदल कमल की आकृति बनाकर उस पर कलश रखा जाता है। एक कांस्य, ताम्र, रजत या स्वर्ण कलश में जल भरकर उसमें कुछ आम के पत्ते डालकर उसके मुख पर नारियल रखा होता है। कलश पर कुंकुम, स्वस्तिक का चिह्न बनाकर, उसके गले पर मौली (नाड़ा) बांधी जाती है। श्रीयंत्र धन और वैभव का प्रतीक लक्ष्मीजी का श्रीयंत्र, यह सर्वाधिक लोकप्रिय प्राचीन यंत्र है। श्रीयंत्र धनागम के लिए जरूरी है। श्रीयंत्र यश और धन की देवी लक्ष्मी को आकर्षित करने वाला शक्तिशाली यंत्र है। दीपावली के दिन इसकी पूजा होना चाहिए।

कमल और गेंदे के फूल :- कमल और गेंदे के पुष्प को शांति, समृद्धि और मुति का प्रतीक माना गया है। देवी-देवताओं की पूजा के अलावा घर की सजावट के लिए भी गेंदे के फूल की आवश्यकता लगती है। घर की सुंदरता, शांति और समृद्धि के लिए यह बेहद जरूरी है।

नैवेद्य और मीठे पकवान :- लक्ष्मीजी को नैवद्य में फल, मिठाई, मेवा और पेठे के अलावा धानी, बताशे, चिरौंजी, शक्करपारे, गुझिया आदि का भोग लगाया जाता है। नैवेद्य और मीठे पकवान हमारे जीवन में मिठास या मधुरता घोलते है।

दीपावली पर इन जगहों पर रखना ना भूलें दीप



दीपों का उत्सव आरंभ होते ही घर-घर में दीप झिलमिलाने लगते हैं। क्या आप जानते हैं कि दीपक कहां-कहां लगाना जाना आवश्यक होता है? आइए पढ़ें

- सबसे पहले घर के मंदिर में जहां लक्ष्मी का मुख्य पूजन करें वहां अखंड दीपक जरूर लगाएं। ध्यान रखें कि यह दीपक रातभर बुझना नहीं चाहिए।
- धन की कामना पूरी हो, इसके लिए मुख्य दरवाजे के बाहर दोनों तरफ दीपक अवश्य लगाएं।
- एक दीपक वहां लगाएं जहां पीने के पानी रखा जाता है।
- घर के तुलसी चौरे में दीपक लगाएं। यहां दीपावली के अलावा भी हर दिन दीपक लगाना चाहिए।
- पीपल के पेड़ के नीचे दीपक लगाएं। मगर, ध्यान रखें कि दिया लगाने के बाद उसे पीछे मुड़कर देखना नहीं है। यह उपाय दिवाली वाली रात में करना है।
- घर के आस-पास किसी चौराहे पर दिवाली की रात में दिया जरूर जलाएं। इससे भी गैरों से जुड़ी समस्याएं खत्म हो जाती हैं।
- घर के आस-पास स्थित मंदिर में भी एक दिया लगाएं। इससे सभी देवी-देवताओं की कृपा मिलती है और खलेशों से मुक्ति व मानसिक शांति मिलती है।
- बेलपत्र के पेड़ के नीचे दिया लगाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा से आर्थिक के अलावा व्यक्ति के जीवन में आने वाली अन्य तरह की परेशानियां दूर होती हैं।
- यदि भूत-प्रेत संबंधी परेशानी आ रही हो, तो पितरों के निमित्त श्मशान में एक दीपक जरूर लगाएं।
- अपने घर की मुंडेर, दहलीज, रिक्लकी, बाथरूम, छत पर, दरवाजे, पर दीपक लगाने के साथ ही एक दीपक पड़ोसी के घर में भी शुभ शगुन का रखना चाहिए।





आप सभी को रीजेंसी ग्रुप
परिवार की ओर से दीपावली के महापर्व और
नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



श्री महेश अग्रवाल
सीएमडी – रीजेंसी ग्रुप





।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

शुभ दीपावली

श्री दिलीप जग्यासी
शिवसेना नगरसेवक, उमनपा

।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

श्रीमती हेमा पिंजानी
समाजसेविका, उल्हासनगर

।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

श्री सुमित चक्रवर्ती
यूटीए अध्यक्ष व उद्योगपति

श्री दीपक राजानी
समाजसेवक

श्री प्रभु लहाने
समाजसेवक, उल्हासनगर

मयूर प्रभू लहाने
युवा समाजसेवक

श्री आकाश चक्रवर्ती
शिवसेना नगरसेवक, उमनपा

शुभ दीपावली

।। दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

शिवसेना

श्री विजय पाटिल
पूर्व स्थायी समिति सभापति,
उल्हासनगर मनपा

'आनंद' रिसोर्ट और वॉटर पार्क
पालेगांव, आनंदनगर, एमआयडीसी हाईवे, अंबरनाथ (पू.)

युवराज विजय पाटील
युवा सेना कल्याण उपजिल्हा प्रमुख

श्री रवि पाटील
युवा समाजसेवक

मिनाक्षी रवि पाटील
मा. नगरसेविका, उमनपा

।। दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

KIPL

KESTREL
INFRASTRUCTURES PVT LTD

राजा गेमनानी चेयरमेन

www.kestrelinfra.com
Regd.Off. :- Kestrel Pride, Hira Ghat,
Ulhasnagar-421003 (M.S.) India
Telfax (0251) 2731182/83/84/85/86, Fax- 2564849
E-mail : feedback@kestrelinfra.com,
kiplho@kestrelinfra.com

।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

शुभ दीपावली

श्री हरी कनौजिया भाजपा नगरसेवक, उमनपा

दीपोत्सव के पावन अवसर पर हर तरफ खुशियों का महकता वातावरण हो जाता है। यह पर्व सभी पर्वों में सबसे बड़ा माना जाता है क्योंकि पांच दिन तक इस त्योहार की खुशियां बनी रहती है और माह भर पूर्व से इसे मनाने की तैयारी आरंभ हो जाती है। हर त्योहार की तरह इस पर्व की भी पौराणिक कथा है। हर दिन का विशेष महत्व है।



रूप

ऐसे करें लक्ष्मीजी को प्रसन्न

महंगाई के जमाने में अगर आप विकट आर्थिक तंगी से जूझ रहे है तो कुछ ऐसे उपाय, जिसके करने से आपको कभी पैसों की दिक्कत नहीं आएगी। महालक्ष्मी जी आपसे सदा प्रसन्न रहेंगी।

- लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने के लिए हर एकादशी को घर के पूजा स्थल पर ग्यारह दीपक जलाएं।
- घर के मुख्य प्रवेश द्वार पर तांबे के सिक्के को लाल रंग के नए कपड़े में बांधने से कभी घर में आर्थिक तंगी नहीं होती है।
- रोज सूर्य को नियमित रूप से अर्घ्य दें।
- शनिवार को काले कुत्ते को रोटी जरूर डालें।
- घर का कोना-कोना साफ रखें।
- घर के मुख्य द्वार पर रंगोली बनाएं। आपनी कमाई का दो प्रतिशत हिस्सा दान करें।

वास्तु उपाय करें आएगा चारों ओर से धन

अगर आप पैसों की कमी से जूझ रहे हैं। घर में आमदनी से अधिक खर्च आपके लिए अवसर मानसिक तनाव का कारण बन जाता है तो नीचे लिखे वास्तुप्रयोग अपनाकर आप मां लक्ष्मी की प्रसन्नता प्राप्त कर सकते हैं।

- साल में एक दो-बार हवन करें।
- घर में अशिक्षा कथाड़ प्रताड़ित ना होने दें।
- शाम के समय एक बार पूरे घर की लाइट जरूर जलाएं। इस समय घर में लक्ष्मी का प्रवेश होता है।
- सुबह-शाम सामूहिक आरती करें।
- महीने में एक या दो बार उपवास करें।
- घर में हमेशा चन्दन और खजूर की खुशबू का प्रयोग करें।
- जो व्यक्ति श्वेत धन की इच्छा रखते हैं वे रात्रि में सवाइस हकीक पत्थर लेकर उसके ऊपर लक्ष्मी का चित्र स्थापित करें, तो निश्चय ही ठहरे घर में आर्थिक उन्नति होती है।
- यदि स्यारह हकीक पत्थर लेकर किसी मंदिर में चढ़ा दें। कहें कि अमुक कार्य में विजय होना चाहता हूं तो निश्चय ही उस कार्य में विजय प्राप्त होती है।
- किसी शुक्रवार के दिन रात्रि में पूजा उपासना करने के पश्चात एक हकीक माला ले और एक सौ आठ बार ऊं ह्रीं श्रीं श्रीं की लक्ष्मी वासुदेवाय नमः मंत्र का जाप करें। इसके बाद माला को लक्ष्मी जी के मॉडर में अर्पित कर दें। धन से जुड़ी हर समस्या हल हो जाएगी।



देखन में छोटे लगें काम करें गंभीर

अगर आप हमेशा परेशान रहते हैं तो मुख्य रूप से वास्तुदोष के कारण ही घर में कोई ना कोई समस्या हमेशा बनी रहती है। घर के सही वास्तु का मतलब ये कतई नहीं है, कि घर में तोड़-फोड़ ही कि जाए। घर के वास्तु में कुछ छोटे-छोटे परिवर्तन ऐसे होते हैं जिनको अपनाने से आप बड़ा लाभ पा सकते हैं।



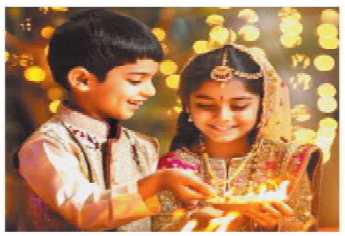
- घर में अगर झगड़ा ज्यादा हो तो कैक्टस या कांटे वाले पौधे निकाल दें।
- मंदिर सदैव ईशान कोण में ही रखें।
- अलमारी को कभी दक्षिण मुखी न रखें।
- घर अगर दक्षिणमुखी हो तो फाट में नीला रंग रखें।
- घर में कोई ज्यादा बीमार होता हो तो एक कटोरी में केशर घोल कर रखें।
- घर में बरकत न हो तो गणपति को घर में स्थापित करें। इससे जल्दी सुधार होता है।
- घर के मुख्य दरवाजे पर गणेश का बांई सूण्ड वाला चित्र लगाएं।

इतिहास

भारत में प्राचीन काल से दीपावली पर्व विक्रम संवत् के कार्तिक माह में शीत की फसल के बाद के एक त्योहार के रूप में दर्शाया गया।

पुराण: पद्म पुराण और स्कन्द पुराण में दीपावली का उल्लेख मिलता है। माना जाता है कि ये ग्रन्थ पहली सहस्त्राब्दी के दूसरे भाग में किसी केंद्रीय पाठ को विस्तृत कर लिखे गए थे। दीपो (दीपक) को स्कन्द पुराण में सूर्य के हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाला माना गया है, सूर्य जो जीवन के लिए प्रकाश और ऊर्जा का लौकिक दाता है और जो हिन्दू कैलेंडर अनुसार कार्तिक माह में अपनी रिश्मि बिखेरता है।

उपनिषद: कुछ ग्रंथों में हिन्दू दीपावली को यम और नचिकेता की कथा के साथ भी जोड़ते हैं जिसमेंता की कथा जो सही बनाम गलत, ज्ञान बनाम अज्ञान, सच्चा धन बनाम क्षणिक धन आदि के बारे में बताती है; पहली सहस्त्राब्दी ईसा पूर्व उपनिषद में लिखित है।













दीपावली अथवा दिवाली भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। त्योहारों का जो वातावरण धनतेरस से प्रारम्भ होता है, वह आज के दिन पूरे चरम पर आता है। दीपावली की रात्रि को घरों तथा दुकानों पर भारी संख्या में दीपक, मोमबत्तियां और बल्ब जलाए जाते हैं। दीपावली भारत के त्योहारों में अपना विशिष्ट स्थान रखती है। इस दिन लक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है। रात्रि के समय प्रत्येक घर में धनधान्य की अधिष्ठात्री देवी महालक्ष्मीजी, विघ्न-विनाशक गणेश जी और विद्या एवं कला की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की पूजा-आराधना की जाती है।

दिवाली पर राज्यों की अलग-अलग परंपराएं



दिवाली के दिन घर की सफाई, नए कपड़े पहनना, मिठाइयां बनाना और दिये जलाना तो सभी राज्यों में होता है। लेकिन इसके साथ ही इन राज्यों के पारंपरिक स्वाद और रिवाजों में कुछ अंतर है।

बनारस-देव दीपावली

उत्तर भारत की तरह ही बनारस में दिवाली मनाई जाती है लेकिन इसके साथ ही यहां देवताओं की दिवाली भी मनाई जाती है, जो दिवाली के 15 दिन बाद आती है। इस दिन बनारस के सभी घाटों पर दिये जलाए जाते हैं और गंगा में दीपों को प्रवाहित किया जाता है। इसे देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं और मेला लगता है।

पंजाब-स्वर्ण मंदिर की दिवाली

सिख इसे अपने छठें गुरु हरगोबिंद साहब की जेल से रिहाई के रूप में मनाते हैं। माना जाता है कि 1619 में जहांगीर ने गुरु हरगोबिंद और 52 राजकुमारों को कैद कर रखा था। दिवाली के दिन ही इन सब की रिहाई हुई थी। इसलिए खुशी में दीवाली के दिन लोग गुरुद्वारों में जा कर दिये जलाते हैं और अमृतसर का स्वर्ण मंदिर रोशनी में नहा रहा होता है।

हरियाणा-अहोई माता की दिवाली

हरियाणा में घर की दीवार पर अहोई माता की तस्वीर बनाने की परंपरा है, जिस पर घर के हर सदस्य का नाम लिखा जाता है। हर घर में चार दीपक चौराहे पर रखे जाते हैं, जिसे टौना कहते हैं। दिये की लौ से काजल बनाने की परंपरा है।

हिमाचल प्रदेश-बलि की परंपरा

हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में इस दिन दोल-नगाड़ों के बीच पशुबलि देकर देवी-देवताओं की पूजा की जाती है। परंपरा के अनुसार, ग्रामीण पशुओं को मंदिर में ले जाते हैं, दिवाली की रात बलि दी जाती है और लोकगीत गाकर खुशियां मनाई जाती हैं। इसके बाद मांस को पकाकर प्रसाद के रूप में खाया जाता है।

छत्तीसगढ़-दिवाली नहीं दियारी

बस्तर के ग्रामीण इलाकों में दीपावली को उत्तर भारत की तरह नहीं मनाया जाता है। हालांकि यहां दिवाली की जगह दियारी मनाई जाती है। तीन दिन तक चलने वाले इस त्योहार में मुख्य रूप से मिट्टी और पशुधन की पूजा की जाती है। लोग खाने-पीने की नई चीजें बनाते हैं।

महाराष्ट्र-उबटन लगाकर स्नान

महाराष्ट्र में दीपावली का पहला दिन वसु बरस कहा जाता है और गाय और बछड़े की पूजा की जाती है। धनतेरस के अगले दिन यानी नरक चतुर्दशी पर सूर्योदय से पहले उतकर उबटन और तेल लगाकर स्नान करने की परंपरा है। दिवाली के मौके पर करंजी, चकली, शेव जैसे पारंपरिक व्यंजन बनते हैं।

गुजरात-नया साल शुरू

गुजरात में दिवाली नए साल के रूप में भी मनाई जाती है। इस दिन संपत्ति की खरीद, कार्यालय खोलना, दुकान खोलना और विवाह संपन्न होना शुभ माना जाता है। उत्तर भारत की तरह ही यहां भी व्यापारी बहीखाते की पूजा करते हैं और नए साल पर नया बहीखाता शुरू किया जाता है। मोती पाक और माखा कचौड़ी जैसी पारंपरिक मिठाइयां बनाई जाती हैं।

तमिलनाडु-लड़की के घर मनाते हैं दिवाली

तमिलनाडु में दिवाली से जुड़ी एक अनोखी परंपरा है, जिसे थलाई दिवाली कहा जाता है। इसमें नवविवाहित जोड़े को दिवाली मनाने के लिए लड़की के घर जाना होता है, जहां उनका स्वागत किया जाता है। दोनों के परिवार जोड़े को तरह-तरह के तोहफे देते हैं।

















नेह के छोर से एक दीप हम भेजें
रिश्तों के उस छोर से आप भी सहेजें

दीपोत्सव, दीपपर्व, दिवाली, दीपावली। नामों का क्या है, कितने ही रख लें। लेकिन भाव एक ही है। सब शुभ हो , मंगलमयी हो, कल्याणकारी हो। उमंग, उल्लास, उत्कर्ष और उजास का यह सुहाना पर्व एक साथ कितने मनोभाव रोशन कर देता है। हर मन में आशाओं के रंगबिरंगे फूल मुस्कान उठते हैं। भारतीय संस्कृति में कितना- कितना सौन्दर्य निहित है। कहाँ- कहाँ से समेटें और कितना समेटें? खूबसूरत त्योहारों की एक लंबी शृंखला है जो किसी रेशमी डोरी की तरह खुलती चली जाती है और मानव मन का भोलापन कि इसमें बँधता चला जाता है सम्मोहित सा। सब भूल जाता है राग, द्वेष, विषाद, संकट, कष्ट और संताप। घर में पधारे हों जब साक्षात आनंद के देवता तो भला कहाँ सुध अपने दुखों की पोटली को खोलकर बैठने की। कितनी मनोरम है हमारी भावनाएँ कि हम वेदों-पुराणों में वर्णित ज्ञान को संचित करते हुए उसे अपनी कल्पना का हल्का-सा सौम्य स्पर्श देकर अपने लिए खुद ही सौन्दर्य का संसार रच लेते हैं। खुद ही सोच लेते हैं कि पृथ्वी पर अभी गणेशजी पधारे, फिर सोचते हैं माँ दुर्गा पधारीं हैं और फिर पौराणिक और लोक-साहित्य की अँगुली थामें प्रतीक्षा करने लगते हैं महालक्ष्मी की।

इनमें झूठ कुछ भी नहीं है, सब सच है अगर अंतरात्मा और दृढ़ कल्पनाशक्ति से किसी दिव्य-स्वरूपा का आह्वान करें तो ईश्वर बाहें प्रकट ना हों लेकिन एक अलौकिक अनुभूति से साक्षात्कार अवश्य करा देते हैं। हम चाहे कितने ही नास्तिक हों लेकिन इतना तो मानते हैं ना कि कहीं कोई ऐसी 'सुप्रीम पॉवर' है जो इस इतने बड़े सुगठित संसार को ज्ञानी सुव्यवस्था से संभाल रही है। बस, उसी महाशक्ति को नमन करने, उसके प्रति आभार प्रकट करने का बहाना हैं ये सुंदर, सुहाने रंगीले त्योहार। ये त्योहार जो हमें बाँधते हैं उस अदृश्य दैवीय शक्ति के साथ, जो हमें जीवन का कलात्मक संदेश देते हैं। एक नन्हा सा दीप। नाजुक सी बाती। उसका शीतल सौम्य उजास। झिलमिलाती रोशनियों के बीच इस कोमल दीप का सौन्दर्य बरबस ही मन मोह लेता है। कितना सात्विक, कितना धीर। बेशुमार पटाखों के शोर में भी शांत भाव से मुस्कराता हुआ। टूट कर बिखर-बिखर जाती अनार की रोशन लड़ी के बीच भी जरा नहीं सहमता, थोड़ा सा झुकता है और फिर तैयार पूरी तत्परता से जहान को जगमगाने के लिए। यही है संदेश दीपों के स्वर्णिम पर्व का। भारतीय संस्कृति के अनमोल रत्नों में से एक है दीपावली का झिलमिल पर्व। एक ऐसा पर्व, जो हर मन की व्यथारी में खुशियों के दिपदिपाते फूल खिलाता है। एक ऐसा पर्व जो हर अमीर-गरीब को अवसर देता है स्वयं को अभिव्यक्त करने का । यह त्योहार ना सिर्फ सांस्कृतिक या पौराणिक रूप से बल्कि कलात्मक और सृजनात्मक रूप से भी मन की भावाभिव्यक्तियों के प्रवाहित होने का अवसर देता है। इस दीपोत्सव पर जब सबसे पहला दीप रोशन करें तो याद करें राष्ट्रलक्ष्मी को। कामना करें कि यह राष्ट्र और यहां विराजित लक्ष्मी, सदैव वैभव और सौभाग्य की अधिष्ठात्री बनी रहें। दूसरा दीप जलाएँ तो याद करें सीमा पर तैनात उन 'कुलदीपकों' को जिनकी वजह से आज हमारे घरों में स्वतंत्रता और सुरक्षा का उजाला है। तीसरा दीप प्रज्ज्वलित करें इस देश की नारी अस्मिता के नाम। जो परिवर्तित युग की विकृतियों से जूझते हुए भी जीत की मशाल लिए निरंतर आगे बढ़ रही हैं। बिना रुके, बिना थके और बिना झुके राह 'दिग्दर्शक' अपने अनंत गुणों के साथ इस धरा पर ना होतीं तो सोचें कैसे रंगहीन होते हमारे पर्व? श्रृंगारहीन और बीहीन? दीप्पर्व पर श्रृंगार, सौन्दर्य और सौभाग्य की घर में विराजित देवी के साथ हम सबके आँगन में दिल नहीं दिएँ जलें। सांसारिक झिलमिलाती रोशनियों के बीच सुकोमल दीप की तरह सदा मुस्कुराएँ। और क्यों ना इस बार अपने दीपक आप बन जाएँ। 'देह' के दीप में 'आत्मा' की बाती को 'आशा' की तीली से रोशन करें। ताकि महक उठें खुशियों की उजास अपने ही मन आँगन में। इन पंक्तियों के साथ

– मंगलकामनाएँ

नेह के छोर से एक दीप हम भेजें
रिश्तों के उस छोर से आप भी सहेजें
झिलमिल पर्व पर खुशियाँ गुनगुनाएँ
आशाओं का रंगीन अनार बिखर-बिखर जाए।
स्नेहदीप के साथ मधुर शुभकामनाएँ !!

इतिहास :



भारत में प्राचीन काल से दीपावली को विक्रम संवत के कार्तिक माह में शीघ्र की फसल के बाद के एक त्योहार के रूप में दर्शाया गया।

पुराण: पद्म पुराण और स्कन्द पुराण में दीपावली का उल्लेख मिलता है। माना जाता है कि ये ग्रन्थ पहली सहस्त्राब्दी के दूसरे भाग में किन्हीं केंद्रीय पाठ को विस्तृत कर लिखे गए थे। दीये (दीपक) को स्कन्द पुराण में सूर्य के हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाला माना गया है, सूर्य जो जीवन के लिए प्रकाश और ऊर्जा का लौकिक दाता है और जो हिन्दू कैलंडर अनुसार कार्तिक माह में अपनी स्तिथि बदलता है।

उपनिषद: कुछ क्षेत्रों में हिन्दू दीपावली को यम और नचिकेता की कथा के साथ भी जोड़ते हैं नचिकेता की कथा जो सही बनाम गलत, ज्ञान बनाम अज्ञान, सत्ता धन बनाम क्षणिक धन आदि के बारे में बताती है, पहली सहस्त्राब्दी ईसा पूर्व उपनिषद में लिखित है।

रामायण: दिपावली का इतिहास रामायण से भी जुड़ा हुआ है, ऐसा माना जाता है कि श्री राम चन्द्र जी ने माता सीता को रावण की कैद से छुड़ाया तथा उनकी अग्नि परीक्षा के उपरान्त, 14 वर्ष का वनवास व्यतीत कर अयोध्या वापस लौटे थे। अयोध्या वासियों ने श्री राम चन्द्र जी, माता सीता, तथा अनुज लक्ष्मण के स्वागत हेतु सम्पूर्ण अयोध्या को दीप जलाकर रोशन किया था, तभी से दीपावली अर्थात दीपों का त्यौहार मनाया जाता है।

7वीं शताब्दी: 7वीं शताब्दी के संस्कृत नाटक नागनंद में राजा हर्ष ने इसे दीपप्रतिपादुत्सव: कहा है जिसमें दीये जलाये जाते थे और नव वर-वधू को उपहार दिए जाते थे।

महत्व

9वीं शताब्दी: 9 वीं शताब्दी में राजशेखर ने काव्यमीमांसा में इसे दीपमालिका कहा है जिसमें घरों की पुताई की जाती थी और तेल के दीयों से रात में घरों, सड़कों और बाजारों सजाया जाता था।

11वीं शताब्दी: फारसी यात्री और इतिहासकार अल बेरुनी, ने भारत पर अपने 11 वीं सदी के संस्मरण में, दीपावली को कार्तिक महीने में नये चन्द्रमा के दिन पर हिन्दुओं द्वारा मनाया जाने वाला त्यौहार कहा है।

भारतवर्ष में मनाए जाने वाले सभी पर्वों में दीपावली का व्यवहारिक, सामाजिक और धार्मिक दृष्टियों से अत्यधिक महत्व है। इसे दीपोत्सव भी कहते हैं। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात अन्धकार की ओर नहीं, प्रकाश की ओर जाओ। यह उपनिषदों की आज्ञा है। इसे सिख, बौद्ध तथा जैन धर्म के लोग भी मनाते हैं। जैन धर्म के लोग इसे महावीर के मोक्ष दिवस के रूप में मनाते हैं। तथा सिख समुदाय इसे बन्दी छोड़ दिवस के रूप में मनाता है।

दीपावली के शुभ और मंगलमयी पूजन मुहूर्त

वर्ष 2026 में दिवाली 8 नवंबर, रविवार को मनाई जाएगी।

लक्ष्मी पूजा मुहूर्त शाम 5:54 बजे से रात 7:50 बजे तक (अवधि: 1 घंटा 56 मिनट)

- प्रदोष काल: शाम 5:31 बजे से रात 8:09 बजे तक
- वृषभ लग्न मुहूर्त शाम 5:54 बजे से शाम 7:50 बजे तक
- निशिता काल (रात्रि पूजा/व्यापारियों के लिए): रात 11:44 बजे से 12:36 बजे (9 नवंबर) तक



अमावस्या तिथि:

- आरंभ: 8 नवंबर 2026 को सुबह 11:27 बजे
- समापन: 9 नवंबर 2026 को दोपहर 12:31 बजे

नोट: आपके शहर या स्थान के अनुसार सूर्योदय और सूर्यास्त के समय में अंतर होने के कारण पूजा के मुहूर्त के समय में थोड़ा बदलाव हो सकता है।

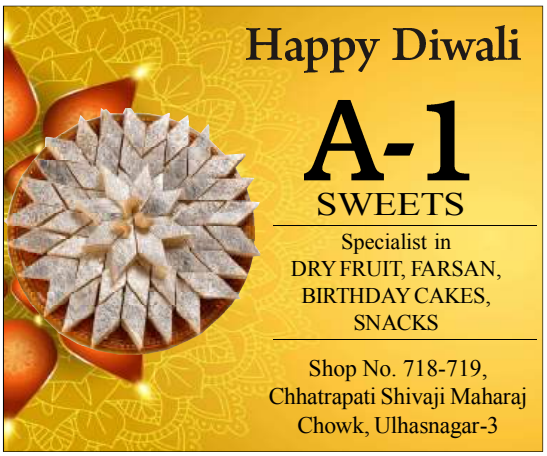




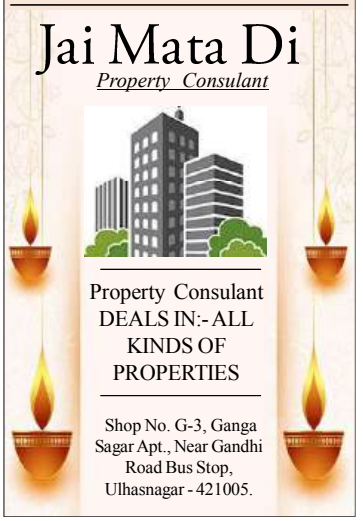


















Happy Diwali....
نوجیون کو آپریٹو بنک لمیٹیڈ
NAV JEEVAN
CO-OP. BANK LTD.
ESTD. 1985
Head Office : Bhawani Saw Mills Compound, Ulhasnagar-3.
Tel.No. 0251-2572101, 2568541/ Fax 2567523
Visit us at : www.navjeevanbank.com
Services Available
- ✓ Different types of Deposits schemes with attractive Deposits Rates.
- ✓ All types of Loans & Advances facilities with competitive Rate
- ✓ 24x7 NEFT / RTGS Services.
- ✓ Safe and secure Moblie Banking Service with NEFT & RTGS Services.
- ✓ Franking Service in Ulhasnagar and Thane
- ✓ Insurance service through corporate Partners.

-: Upcoming Service :-
Blocking & Unblocking ATM cards through SMS.







श्री मनोहर खेमचंदानी
- सदस्य -भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश कमेटी
- जिला प्रभारी-भारतीय जनता पार्टी, उल्हासनगर शहर जिला

USA ULHASNAGAR SHOPKEEPERS ASSOCIATION

।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

श्री दीपक छतलानी
अध्यक्ष :- उल्हासनगर शॉपकीपर्स एसोसिएशन. (यूएसए)
अध्यक्ष :- दादा दयालदास छतलानी प्रतिष्ठान

M/s. Bhoomi Developers
Builders & Developers
Office - Shop no 1,kithani apt, Bk No 488, Aman Talkies Road, Near Nehru Chowk, Ulhasnagar-2 Mb.No. 9850760405

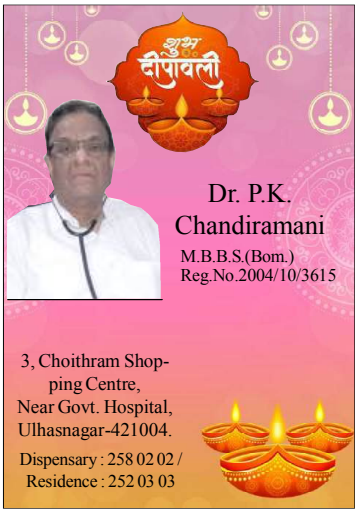


।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

श्री संजय गुप्ता
अध्यक्ष - ओएनबीवी फाउंडेशन

दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
एडवोकेट
श्री प्रकाश कुकरेजा
राष्ट्रीय अध्यक्ष-प्रजा कृपा पार्टी
पूर्व उपायुक्त (रिटायर्ड), उल्हासनगर मनपा

प्रजा कृपा पार्टी
से जुडीये और जोडिये मेरा शहर मेरा देश
2, Hari Om Apartment, B.K. C-33/ R-124, Opp. Chopra Court, Ulhasnagar-421003.
Mob.: 9422073950, Ph.: 0251-2701718
Email : prajakripa1955@gmail.com, Website- prajakripaparty.in



Dr. P.K. Chandiramani
M.B.B.S.(Bom.)
Reg.No.2004/10/3615
3, Choithram Shopping Centre, Near Govt. Hospital, Ulhasnagar-421004.
Dispensary : 258 02 02 / Residence : 252 03 03

।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।
शिवसेना नगरसेवक, उमनपा
श्री महेश सुखरामानी
शुभ दीपावली
श्री राजेश अमरनानी
युवा समाजसेवी, उल्हासनगर

दिपावलीच्या मनापासून मंगलमय शुभेच्छा...
मा. एकनाथ शिन्दे साहेब
उप-मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र शासन
डॉ.श्रीकान्त शिन्दे साहेब
खासदार, कल्याण लोकसभा क्षेत्र
शिवसेना
डॉ. बालाजी किणीकर
आमदार अंबरनाथ विधानसभा मतदारसंघ
drbalajikinikarofficial
शुभ दीपावली

।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।
श्री कमलेश (कालू) लुण्ड
साई बाबा झेराक्स एण्ड टायपिंग
सरकारी हॉस्पीटल के सामने, मैन बाजार, उल्हासनगर-4
फोन नं. 0251-2580290

शुभ दीपावली
श्री डी.पी.सिंह
- पूर्व प्राचार्य, बीएमसी (बृहन्मुंबई महानगरपालिका)
- स्वामी एवं संस्थापक, डी.पी.सिंह एजुकेशन ट्रस्ट
डॉ. मनोज सिंह
फैमिली फिजिशियन, खेमानी, उल्हासनगर
क्रिटिकेयर ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स, उल्हासनगर


दीपावली व नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं
शिवसेना
श्री राजेंद्र सिंह भुल्लर (महाराज)
वरिष्ठ शिवसेना नगरसेवक, उमनपा


।। दीपावली व नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं ।।
श्रीमती दिप्ती नविन दुधानी
पीडब्ल्यूडी सभापति, उमनपा
श्री नविन दुधानी
युवा समाजसेवक, उल्हासनगर


मा. एकनाथ शिन्दे साहेब
उप-मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र शासन
डॉ.श्रीकान्त शिन्दे साहेब
खासदार, कल्याण लोकसभा क्षेत्र
शिवसेना
।। दीपावली व नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं ।।
श्री निखिल राम पारवानी
युवा समाजसेवी व उद्योगपति
श्री राम पारवानी (चार्ली)
शिवसेना नेता, उल्हासनगर


शुभ
दीपावली
शिवसेना
दीपावली व नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं
श्री जमनादास खूबचंद
पुरस्वानी
शिवसेना नगरसेवक,
उल्हासनगर मनपा


"साहेब"
शुभ
दीपावली
श्री एकनाथ शिन्दे
उपमुख्यमंत्री, महाराष्ट्र
डॉ. श्रीकान्त शिन्दे
सांसद, कल्याण
लोकसभा क्षेत्र
शिवसेना
श्री प्रकाश माखीजा
शिवसेना नेता, उल्हासनगर
श्रीमती जया माखीजा
शिवसेना नगरसेविका, उमनपा


।। दीपावली व नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं ।।
शिवसेना
श्री दुर्गा राय
शिवसेना नगरसेवक, उल्हासनगर मनपा


।। दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं ।।
शुभ
दीपावली
श्री मोहन (गाड़ो)
रामरख्यानी
पूर्व स्थायी समिती सभापति, उमनपा
श्री अजू रामरख्यानी
समाजसेवक, उल्हासनगर


।। दीपावली व नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं ।।
शिवसेना
श्री महेश सुखरामानी
- शिवसेना नगरसेवक,
उल्हासनगर मनपा
- पूर्व कार्याध्यक्षः- महाराष्ट्र राज्य
सिंधी साहित्य अकादमी


दीपावली व नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं
शिवसेना
श्रीमती अश्विनी कमलेश निकम
महापौर, उल्हासनगर मनपा


दीपावली व नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं
II SVS II
AKS
DEVELOPERS
AMIT SUKHRAMANI
7887 679 679
GSTIN: 27BGQPS4316E1Z5
BUILT ON TRUST, DELIVERED WITH QUALITY
OUR SERVICES
BK. No. 664, Opp. Premsons Bunglow,
Near Jhulelal School, Vaishno Mata Mandir Road,
Ulhasnagar - 421002.
श्री अमित
सुखरामानी
युवा समाजसेवक,
उल्हासनगर


।। दीपावली व नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं ।।
शिवसेना
श्री कुलवंत सिंह
सहोता (बिट्टू भाई)
स्थायी समिती सभापति,
उल्हासनगर मनपा
श्री एकनाथ शिन्दे
उपमुख्यमंत्री,
महाराष्ट्र सरकार
डॉ. श्रीकान्त शिन्दे
सांसद, कल्याण
लोकसभा क्षेत्र


शुभ दीपावली
श्रीमती प्रेरणा अजित माखीजानी
महसूल समिती सभापति, उल्हासनगर मनपा


।। दीपावली व नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं ।।
शिवसेना
श्रीमती काजल अमर जग्यासी
शिवसेना नगरसेविका, उल्हासनगर मनपा


दिवाळीच्या हार्दिक शुभेच्छा !
या दिवाळी,आपल्या घरात
प्रकाश,आनंद आणि समृद्धी
भरून राहो. लक्ष्मी मातेची
कृपा आपल्यावर सदैव राहो
शिवसेना
॥ जय महाराष्ट्र ॥
श्री अरूण आशान
सभागृह नेता, उमनपा,
नगरसेवक पैनल-15, उमनपा
श्रीमती लीलाबाई आशान
वरिष्ठ नगरसेविका व
पूर्व महापौर, उमनपा


दीपावली व नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती सुनेत्रा अजित पवार
उपमुख्यमंत्री, महाराष्ट्र शासन
श्री भरत राजवानी (गंगोत्री)
जिलाध्यक्ष - राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी
(अजित पवार), उल्हासनगर
हरकिरण कौर
(सोनिया) धामी
महासचिव - महाराष्ट्र प्रदेश
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी

।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।



श्री किशीन (सोनू) रोहड़ा
सचिव - भारतीय जनता पार्टी,
उल्हासनगर- मंडल-3-ब

।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

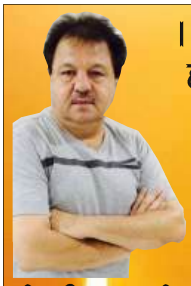


श्री किशोर जग्यासी
पूर्व भाजपा नगरसेवक, उल्हासनगर मनपा



।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

श्री जगदीश तेजवानी
-: अध्यक्ष:-
उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन



।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।





श्री अनिल चालानी

राम जयरामदास

मोहन डेकोरेटर्स
उल्हासनगर
मो. 9326003892,
9821127646





।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

श्री मुकेश पुनवानी
व्यापारी व समाजसेवक,
उल्हासनगर

दीपावली के महापर्व की आप सभी को हमारी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं...





श्री पंकज तिलोकानी
शिवसेना युवा नेता, उल्हासनगर

दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



श्री शंकर नागरानी
राष्ट्रीय अध्यक्ष:-
अखिल भारतीय सिंधी समाज (रजि.)



आप सभी शहरवासियों को हमारी ओर से दीपावली के महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

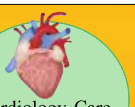




श्री राजू जग्यासी
पूर्व भाजपा नगरसेवक,

Surekha & Sai
CRITICARE HOSPITAL
- Medical emergency -
can come anytime and during emergency time
any medical help on phone can save life.

शुभ दीपावली



Cardiology Care
Heart Helpline No.
9322390330



Criticare Hospital Ulhasnagar
always thinks about people and saving life .
We hope this initiative will help to save life

24 Hrs. Emergency- If You Need Ambulance Call : 7798783437

SUREKHA CRITICARE HOSPITAL Next to Indian Bank, Near Jawahar Hotel, Hospital Road, Ulhasnagar-421003. Ph.No.8237898959, 0251-2569191	**SAI CRITICARE HOSPITAL** Opp. Domino's & Roshan Apt., Next to Axis Bank, Venus Chowk, Ulhasnagar-421004. Ph.No.0251-2530040/50, 8686266112
SEVEN PALM HOSPITAL Mohan Palm, Katrap, Badlapur (E)-421503. Ph.No. 7066737444, 7066735444	**SHRIYAN HOSPITAL** Multispeciality & ICCU, Ulhasnagar-421001 Ph No. 9922400084

।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।







श्री रोशन पुरस्वानी
शिवसेना (शिन्दे) युवा नेता, उल्हासनगर

श्री जमनु पुरस्वानी
शिवसेना नगरसेवक, उमनपा

।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।



मन्शा देवी किराना स्टोर

मच्छी मार्केट, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर-2.

दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

शुभ दीपावली



श्री जे.पी. शहदादपुरी

समाजसेवक, उल्हासनगर

दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं





मा. रविन्द्र चव्हाण जी

अध्यक्ष महाराष्ट्र प्रदेश भारतीय जनता पार्टी

श्री प्रदीप रामचंदानी

पूर्व जिलाध्यक्ष- उल्हासनगर शहर जिल्हा भारतीय जनता पार्टी

।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

श्री कुमार चेनानी

व्यवसायी, उल्हासनगर







शुभ दीपावली

श्री राहुल गुरबानी

युवा समाजसेवक, उल्हासनगर



Happy Diwali

।। शुभ दीपावली ।।

NEW ENGLISH HIGH SCHOOL & JUNIOR COLLEGE

Shri Prakash Chellaram Gurnani 'Sir'



NAVBHARAT CRANE CERVICE

Happy Diwali



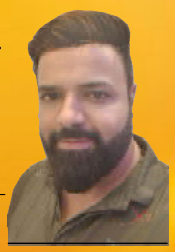
Mr. Ashok Ji
Mob.
9890078905

17 Section,
Pertrol Pump,
Kalyan-Ambernath Road,
Ulhasnagar-3

दीपावली के महापर्व की आप सभी को हमारी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं...

श्री सनी जाधवानी

★ उपाध्यक्ष- भारतीय जनता पार्टी उल्हासनगर.
★ अध्यक्ष - जयभवानी व्यापारी एसोसिएशन, उल्हासनगर



राइट चॉइस

शॉप नंबर 3, ऋषि केश अपार्टमेंट, गोल मैदान, मुख्य गेट, उल्हासनगर - 421002

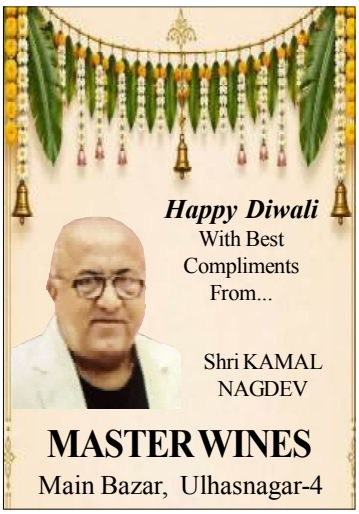
8855887500

शुभ दीपावली

श्री गिरिश शिवनानी

भवन निर्माता व समाजसेवक, उल्हासनगर





Happy Diwali
With Best Compliments From...

Shri KAMAL NAGDEV

MASTER WINES

Main Bazar, Ulhasnagar-4



सुनील जी. गोस्वामी

।। दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

ज्ञानचंद नास्ता हाउस

ए-1 दाल पकवान, पकौड़े, छोला-पेटीस, इटली-डोसा, सीरा-मालपुआ, समोसा ताजा व स्वादिष्ट

शादी और पार्टियों के आर्डर लिये जाते हैं

मट मंदिर-बैंक ऑफ इंडिया के पास, पुरानी पोस्ट आफिस रोड़, उल्हासनगर-5





।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

श्री दीपचंद सेवानी

वरिष्ठ समाजसेवक

।। दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं ।।

शुभ दीपावली



श्री ब्रिजबिहारी शुक्ला

समाजसेवक



श्री मनोज शुक्ला

समाजसेवक

श्री संतोष शुक्ला

बिल्डर एण्ड डेवलपर्स

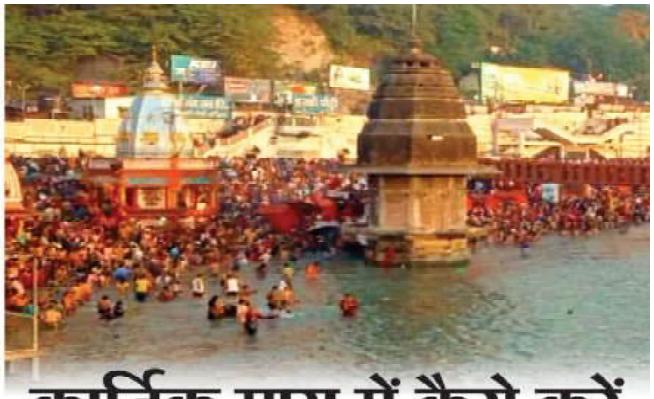




घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए चुनें समृद्धिदायक रंग

दीपावली के पहले घरों की रंगाई-पुताई करवा रहे हैं, तो यह टिप्स आपको जरूर जानना चाहिए। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएं वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव.

- हिन्दू धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के लिए कई दिनों से घर में साफ-सफाई और रंग-रोगन का दौर शुरू हो जाता है। घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज-सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं। आप भी सौभाग्य के लिए घर रंगवाते समय ध्यान रखें इन 5 बातों का।
- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या लिविंग कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है, और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हालांकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाएं रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।



कार्तिक मास में कैसे करें पवित्र नदी में स्नान

कार्तिक माह का प्रारंभ हो गया है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार कार्तिक माह में व्रत, स्नान और दान का बहुत ही ज्यादा महत्व है। इससे पाप का नाश होकर सुख, शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस माह में पवित्र नदी या जलाशयों में स्नान करने के महत्व दोगुना बढ़ जाता है। आओ जानते हैं कि पवित्र नदी में किसी तरह करें स्नान की मिले दोगुना फल।

रोगाणां पातकनाशकृत्परं सदबुद्धिदं
पुत्रधनादिसाधकम्।
मुक्तेर्दानं नहि कार्तिकव्रताद्
विष्णुप्रियान्यद्विद्यास्ति भूतले।।
–(स्कंदपुराण वै का.मा.5/34).

अर्थात– कार्तिक मास आरोग्य प्रदान करने वाला, रोगविनाशक, सदबुद्धि प्रदान करने वाला तथा मां लक्ष्मी की साधना के लिए सर्वोत्तम है।

- कार्तिक स्नान के लिए तीर्थराज प्रयाग, अयोध्या, कुरुक्षेत्र और काशी को सर्व श्रेष्ठ स्थान माना गया है। प्राचीन काल में कुरुक्षेत्र में सरस्वती का बहाव था।
- इनके साथ ही सभी पवित्र नदियों और तीर्थस्थलों पर भी स्नान शुभ माना है। अगर आप इन स्थानों पर नहीं जा सकते, तो इन स्थान और यहां बहने वाली नदियों का स्मरण करने से भी लाभ होता है। इसके लिए एक श्लोक भी प्रचलित है–

'गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेस्मिन संनिधिं कुरु।।
स्नान करते समय–

आपस्त्वमसि देवेश ज्योतिषां पतिरेव च।
पापं नाशाय मे देव वामनः कर्मभिः कृतम।
यह बोल कर जल की ओर
दु:खदरिद्रगनाशाय श्रीविष्णोस्तोषणाय च।
प्रातःस्नान करोम्यद्य माघे पापविनाशनम।।
कहकर ईश्वर की स्तुति करनी चाहिए।
स्नान जब समाप्त हो जाए तो इस मंत्र का उच्चारण करें.
सवित्रे प्रसवित्रे च परं धाम जले मम।
त्वत्तेजसा परिभ्रष्टं पापं यातु सहस्त्रधा।।

कार्तिक माह का महत्व

- इस मास में श्री हरि जल में ही निवास करते हैं।
- कार्तिक माह में गंगा स्नान, दान, दीप दान, हवन, यज्ञ आदि करने से सांसारिक पाप का नाश होता है और व्यक्ति को मृत्यु के बाद स्वर्ग की प्राप्ति होती है।
- इस दिन व्रत का भी बहुत ही महत्व है। इस दिन उपवास करके भगवान का स्मरण, चिंतन करने से अग्निष्टोम यज्ञ के समान फल प्राप्त होता है तथा सूर्यलोक की प्राप्ति होती है।
- कार्तिकी पूर्णिमा से प्रारम्भ करके प्रत्येक पूर्णिमा की रात्रि में व्रत और जागरण करने से सभी मनोरथ सिद्ध होते हैं।

दीपावली : दीपों के प्रकाश का महान सांस्कृतिक पर्व



उत्सवधर्मिता भारतीय संस्कृति का सनातन संस्कार रहा है। जीवन रस का सामूहिक गान ही त्यौहारों की मूल संवेदना है। इस रूप में दीपावली आर्य संस्कृति की महत् गरिमा से मंडित, दीपों के प्रकाश का महान् सांस्कृतिक पर्व है। युगों से ज्ञान का यह आलोक-प्रवाह सभ्यता के घाटों को प्रदीप्त करता रहा है। आलोक पर्व, दीप पर्व, प्रकाश पर्व, दीपोत्सव, दीपमालिका, दीपावली, सुखरात्रि या यक्षरात्रि आदि अनेक नामों से विख्यात यह पर्व आत्मोद्धार का प्रतीक होने के साथ- साथ तपोनिष्ठ जीवन की गरिमा भी संजोता है।

दीपावली हमारी ज्ञानगामिनी सांस्कृतिक धरोहर है। यह उतनी ही पुरानी एवं प्राचीन है, जितनी कि स्वयं हमारी संस्कृति। हमारी संस्कृति में सुख हो या दु:ख-दोनों अवस्थाओं में प्रकाश करने की परंपरा रही है। वैदिक काल में यह प्रकाश अग्नि रूप में था, बाद में मंदिर के आरती-दीप के रूप में प्रतिष्ठित हो गया। इस प्रकार वैदिक काल से वर्तमान तक दीपों की गौरवमय गरिमा से संयुक्त इस पर्व की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं मौलिक महत्ता के आलोक में दीपावली का अनुष्ठान किया जाता रहा है। एक ओर दीपावली जहां बुराई पर अच्छाई की जीत एवं भाईचारे का पर्व है, वहीं दूसरी ओर अंधकार को निराशा और प्रकाश को आशा का प्रतीक मानकर दीपों की श्रृंखला प्रज्वलित कर अंधकार दूर भगाने की प्रवृत्ति का त्यौहार है। दीपावली आत्म-उजास की थाती है। मान्यता है कि होली महोत्सव है और दशहरा महानुष्ठान, जबकि एकमात्र दीपावली ही संपूर्ण अर्थों में महापर्व है।

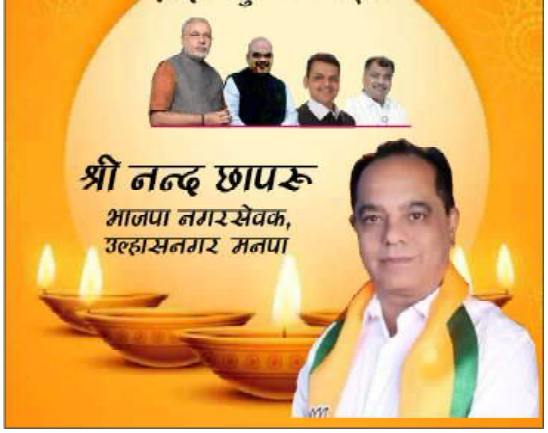
अमावस्या को आयोजित होने वाला दीपावली का पर्व महालक्ष्मी के आह्वान के साथ ही मानव के द्वारा अज्ञान और अंधकार के पराजय एवं पराभव का पर्व है। इस दिन दीपों का प्रकाश कर हम दीप प्रज्वलन की पुरातन परंपरा को गतिमान बनाते हैं तथा दीप्तिरूप प्रकाश के सतोगुणी स्वरूप से आत्मा का साक्षात्कार कराते हैं। दीपदान की प्रथा समस्त विश्व में पुरातन काल से विद्यमान रही है। पहले वनस्पति पूजा की शुरुआत हुई। तत्पश्चात् ज्योतिर्मय लिंग की पूजा के साथ प्रदीप की तेजोमय आभा एकीभूत हो गई। शास्त्रों की उक्ति है, 'दीपो ज्योतिः जनार्दनः।' दीप हमारी आस्था के सबसे सनातन प्रमाण हैं। महाकवि अश्वघोष ने मोक्ष की उपमा दीपक की निर्वाण दशा से दी है। कालजयी महाकवि कालिदास प्रदीप्त दीपों की कतारों को देखकर कह उठते हैं, 'प्रवर्तिनो दीप इव प्रदीपात्।'

दीपावली का धार्मिक पर्व के रूप में सर्वप्रथम सम्यक् विवेचन भविष्य पुराण में मिलता है। मात्र लौकिक मान्यताओं, वैभव एवं प्रदर्शन से पृथक पद्म पुराण ने इस पर्व को शालीन एवं सुसंस्कारित आवरण पहनाकर धार्मिकता एवं सात्विकता से ज्योति मंडित किया है। अन्य साहित्य धाराओं में दीपावली का लौकिक परिदृश्य प्रकट होता है। गृह्य-सूत्रों के अनुसार चंद्र संवत्सर नववर्ष के प्रारंभ होने के कारण दीप पर्व पर सफाई आदि की जाती थी। बुद्धघोष का राजगृह इसी महापर्व पर सजता था और धम्मपद अल्प कथा के अनुसार कौमुदी महोत्सव का आयोजन इसी शुभ पर्व पर रात्रि भर चलता था। दीपावली की पर्व-शृंखला संस्कृति की अनेक धाराओं को स्थान देती है। यह पर्व एक साथ पांच पर्वों की लड़ी है। पहला पर्व त्रयोदशी को धनतेरस में पड़ता है। पौराणिक कथानुसार सागर मंथन के समय अमृत घट उत्पन्न हुआ था, जिसे विष्णु के एक अंश धनवंतरि को लेकर प्रकट हुए थे। इसी स्मृति में धनतेरस की व्रत-पूजा होती है। त्रयोदशी की संध्या में यमदीप दान का अनुष्ठान किया जाता है। इसके बाद का दिन नरक चतुर्दशी, पितरों को अर्घ्यदान देने का पर्व है। इसके पीछे मान्यता है कि श्रीकृष्ण ने इसी दिन नरकासुर का वध किया था। अमावस्या की रात्रि में दीपोत्सव मनाया जाता है। धर्मसिंधु के अनुसार इस दिन मनुष्य देवों से अपने पितरों की परम गति के लिए प्रार्थना करते हैं। दीपावली के बाद प्रतिपदा आती है। यह प्रारंभ में नवान्न पूजा का पर्व था, जो बाद में अन्नकूट पूजा में परिवर्तित हो गया।

लोक-परंपरा में दीपावली की रात को मुख्यतया लक्ष्मी-गणेश की संयुक्त पूजा का विधान है। यह वस्तुतः समृद्धि एवं सद्बुद्धि दोनों की आराधना के साथ श्रेष्ठ मूल्यों एवं आदर्शों की स्थापना है। लक्ष्मी समृद्धि, विभूति एवं संपत्ति की देवी है और गणपति सद्बुद्धि एवं सद्ज्ञान के सर्वसमर्थ देवता। समृद्धि का तात्पर्य विलासिता नहीं है, बल्कि यह सत्कर्मों में नियोजन है। सद्बुद्धि के प्रकाश में ही समृद्धि का सुनियोजन संभव है। अतः सद्बुद्धि के अभाव में समृद्धि हितकारी नहीं हो सकती और विपुल बुद्धि भी धनाभाव के कारण मंद पड़ जाती है। वैदिक पुरुषसूक्त से पुराणों तक लक्ष्मी, परमेश्वर की ऐश्वर्य-शक्ति के रूप में स्वीकृत है। इस संबंध में महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि लक्ष्मी केवल बाहरी वस्तु नहीं है, यह वस्तुतः आत्मविभूति है जो बीज रूप में सारे प्राणियों के अंदर विद्यमान है, परंतु जो अपनी आत्मज्योति को प्रकाशित कर पाता है, वही इससे यथार्थ रूप में लाभान्वित होता है। महर्षि मार्कंडेय भी इसे कोई बाह्य वस्तु न बताकर आंतरिक तत्व की संज्ञा देते हैं। मानव के आभ्यंतर में जो सार्वभौम शक्ति विद्यमान है, वही बाह्य संपत्ति का अर्जन-विसर्जन करती रहती है। तभी तो लक्ष्मी कमल पर आसीन है। कमल विवेक का प्रतीक है, पंक से उत्पन्न होकर भी पंक रहित, स्वच्छ, पावन, सुगंधित। संपत्ति तभी वरेण्य है, जब वह पवित्रता पर आधारित हो।

दीपावली अर्थात् दीपों की अवली यानी कि प्रकाशित दीपों की पंक्तियां, जिन्हें देखकर कुछ यूं लगता है कि नन्हें-नन्हें दीप संघर्षशील मानवीय चेतना के प्रमाण बनकर जग से तम को हर लेने की कोशिश करने में जुटे हैं। इन प्रकाशित दीपों से यह सत्य भी प्रकट होता है कि जीवन में स्नेह (प्रेम) बना रहे तो प्रकाश की कमी नहीं पड़ती। भावनात्मक मूल्यों से ज्योतित हो और हमारा प्रत्येक आचरण कर्म और आदर्श से मंडित हो तो न केवल जीवन प्रकाश से पूर्ण होगा, बल्कि हम लक्ष्मी की वैभव-विभूति, उसकी श्री संपदा से भी लाभान्वित होंगे। दीप पर्व के अनुष्ठान की सार्थकता तभी है, जबकि हमारे अंदर ज्ञान और प्रेम की ज्योति जल उठे। इस ज्योति का प्रकाश ही बाह्य जीवन को विभूति और वैभव से संपन्न और सक्षम बनाने में समर्थ है। इस पावन वेला में दीपों की पंक्तियां कुछ इस तरह से जगमगाएं कि विश्व में सद्बुद्धि की उजास बढ़े। सद्बुद्धि का यह उजाला ही समृद्धि को सुरक्षित और विकसित करने का आधार है। सद्ज्ञान और सद्बुद्धि के साथ समृद्धि का समन्वय ही इस पर्व की प्रेरणा है। हमारे जीवन में यह चरितार्थ हो, तभी दीपावली मनाने की सार्थकता है।









प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिंटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया
RNI No. 68359/93,
(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)

दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यतता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

अबकी 'शेरथांग' में होगी रक्षामंत्री की दीवाली

भारतीय जवानों ने नाथूला से घुस रहे चीनी सैनिकों को खदेड़ा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार सुबह ही अपना शाम का प्लान बदल दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी भी दी। वह बाराडोगरा एयरफील्ड जाएंगे और फिर वहां वाली 8 नवंबर को सिक्किम जाएंगे, जहां वह जवानों के साथ दीवाली मनाएंगे। शेरथांग युद्ध स्मारक में वह बहिदानी वीरों को श्रद्धांजलि भी देंगे। शेरथांग सिक्किम के नाथूला दर्रे के पास की जगह है, जहां करीब 60 साल पहले भारत-चीन की तीन दिन तक खूनी झड़प चली रही। इस झड़प में भारतीय जवानों ने चीन को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को खदेड़ दिया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा आज, दीपावली की पूर्व संध्या पर मैं बहादुरिंग में खामोलुंग एयरफील्ड और सुकना (सिलीगुड़ी) में भारतीय सेना के जवानों से मुलाकात करके उनसे बातचीत करूंगा। बता चलें दीपावली के दिन मैं सिक्किम स्थित शेरथांग युद्ध स्मारक जाकर देश की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करूंगा।



शेरथांग नायूला दर्रे के पास, यहां है आईटीबीपी की चौकी

शेरथांग शिविरमुख के गंगटोक जिले में नाथूला दर्रे के पास स्थित एक कस्बा है। इस जगह को भारत और चीन के बीच व्यापार के लिए आकारी, सीमा शुल्क और जांच केंद्र के रूप में खुला गया है। चीन की तरफ इसके सामने हिनकिथैंग नाम की जगह है। शेरथांग में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की एक चौकी है, जो भारत-चीन सीमा का एक बैटक बिंदु (पीडीपी) में से एक है। यहां हाईवा पोस्ट और घाटना पोस्ट के बीच हफ्ते में दो बार अंतरराष्ट्रीय डाक का आदान-प्रदान होता है।

लॉरेंस गैंग से जुड़ा गैंगस्टर हैरी बॉक्सर अमेरिका में पकड़ाया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लिया गया है। अमेरिकी एजेंसी ने उसे कैलिफोर्निया में हिरासत में लिया है। हैरी अमेरिका में रहकर गैंग की गतिविधियां चला रहा था। उस पर हत्या और रंगदारी समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। हैरी ने फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। इसके अलावा हैरी पर सलमान खान और कपिल शर्मा समेत अन्य बॉलीवुड हस्तियों को धमकी देने का भी आरोप है। इससे पहले गैंगस्टर सिद्धांथ पाठक और गैंगस्टर फरीदकोटिया को भी अमेरिका में हिरासत में लिया गया था। ये दोनों भारत में कई आपराधिक मामलों में वांछित हैं। हैरी बॉक्सर पर बॉलीवुड और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों को धमकी देने के आरोप हैं। इनमें अभिनेता रणवीर सिंह भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हैरी ने रणवीर के मैनेजर को व्हाट्सएप नोट भेजकर 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी और रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इसके अलावा, गायकी सिंगर गुरु रंधावा को भी भारत में मिलने पर गायकवाड सामने आया था। एक वायरल क्लिप ऑडियो में सलमान खान से नजदीकियों के चलते गुरु के दिल्ली स्थित जिम पर फायरिंग कराने का दावा किया गया था। वहीं, कॉमेडियन कपिल शर्मा का कनाडा स्थित कैफे पर फायरिंग की घटना का निशाना बन चुका है।

कमजोर होते ट्रंप मजबूत होता भारत

- अमेरिकी चुनावों के बाद बदल गए हैं समीकरण
- वॉशिंगटन की व्यापारिक रणनीति बेहद प्रभावित

अब ज्यादा तेज हो सकती है ट्रेड डील की प्रक्रिया



नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव के नतीजों ने समीकरण बदल दिए हैं। इससे वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच जारी व्यापार वार्ता को नया मोड़ दे दिया है। रूढ़वादी रोनाल्ड ट्रंप को मिले राजनीतिक झटके के बाद अब माना जा रहा है कि पलड़ा भारत की तरफ झुक गया है। अमेरिका अपनी अंतरराष्ट्रीय पकड़ और साख दिखाने के लिए भारत के साथ ट्रेड डील को रफ्तार दे सकता है। वैसे एक्सपर्ट्स का कहना है कि दूर तरफ जहां भारत को बेहतर मोलभाव का मौका मिलने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका को संरक्षणवादी नीतियां और अतिरिक्त टैरिफ की धमकियां कायम रहने की आशंका भी बनी हुई है।

भारत पर जल्दबाजी में शर्तें मानने का दबाव हुआ कम

एमके रिसर्च के मुताबिक, चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद ट्रंप के पास आक्रामक टैरिफ एजेंडा चलाने के लीवरेज की हद तक सीमित हो गए हैं। इससे भारत पर जल्दबाजी में शर्तें मानने का दबाव कम होगा। इसके साथ ही नई दिल्ली ज्यादा अनुकूल शर्तों पर बातचीत कर सकेगी। रोनी एजेंसी ने गृह भी जताया है कि वॉशिंगटन की ओर से भारतीय सामानों पर अतिरिक्त 17-19 फीसदी टैरिफ लगाने या रूसी क्रूड तेल की खरीद को मुद्दा बनाने की धमकियों का इस्तेमाल बातचीत में दबाव बनाने के लिए हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के चुनावी झटके के बावजूद अमेरिका का व्यापार को लेकर रुख सख्त बना रहेगा। इसलिए बातचीत में भारत की ओर से टैरिफ में कटौती की उम्मीद की जा रही है। वहीं, अमेरिका अपने मीस्ट टैवर्ड नेशन रेटस को बरकरार रख सकता है। रिपोर्ट ने आगाह किया है कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी और वैश्विक मंदी के जोखिमों का उल्लेखन कर सकती है।

उत्तराखंड की राजनीति में 'दुष्कर्म' का तूफान!

- हरक सिंह रावत पर जैनी ने लगाए आरोप, बच्चे के डीएनए टेस्ट की मांग

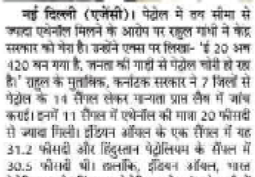
देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी गुबार खड़ा हो गया है। 28 साल पुराने जैनी प्रकरण में महिला इंदिरा ऊंजी (जैनी) सामने आई हैं। उन्होंने हरक सिंह रावत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जैनी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पहले हरक सिंह रावत के सत्ता में रहने के कारण इसे दबाने की कोशिश की गई। उन्होंने मुख्यमंत्री धामी और जोशी पर धामलेखाने भेजने की धमकी देने व सैकड़ों पुलिसकर्मियों की मदद से भगा देने का आरोप लगाया। साल 2002 का जिक्र करते हुए महिला ने बताया कि वह नौकरी की तलाश में एक कार्यक्रम के दौरान तत्कालीन मंत्री हरक सिंह रावत के दमुना कॉलोनी स्थित आवास पर पहुंची थी, जहां हरक सिंह रावत ने उसे दिल्ली भेजने के बहाने अपने साथ रुकवा लिया था। जैनी मामले में महिला देहरादून पहुंची और प्रेस कॉन्फ्रेंस की। महिला ने अपने साथ हुई घटना की दोबारा सीबीआई जांच की मांग की है। साथ ही इसने डीएनए जांच की भी मांग की है। महिला ने बताया कि वह 2002 में देहरादून आई थी। उस समय उसकी उम्र 16 साल थी। दमुना कॉलोनी में वह दीवे में रहती थी।



ई 20 बना 420, पब्लिक की कार से पेट्रोल चोरी

राहुल बोले-20 की जगह 31.2 फीसदी एथेनॉल मिला

ऑयल कंपनियों ने कहा-जांच नियमों के मुताबिक नहीं



तीन तेल कंपनियों ने जांच प्रक्रिया पर उठाए सवाल

कर्नाटक सरकार के विधान ने दावा किया था कि राज्य के कुछ पेट्रोल पंपों पर बिक रहे पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा 26 से 31 फीसदी तक पाई गई थी। इस पर इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने कहा कि कर्नाटक सर्वेत क्षेत्रवार में सरसों किया जा रहा है 20 पेट्रोल भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के तय मानक आईएस 17021 के मुताबिक है। यह मानक एथेनॉल मिले पेट्रोल के लिए तय किया गया है। कंपनियों ने अदालत में दिए गए हलफ की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उनमें कहा कि 2005 के सरकारी आदेश और 2024 की मार्केटिंग डिसिप्लिन गाइडलाइंस में कैसल लेने, उन्हें सुरक्षित रखने, जांच करने और रिपोर्ट देने के नियम तय हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोल में तय सीमा से ज्यादा एथेनॉल मिलने के आरोप पर राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने एक्स पर लिखा- 'ई 20 अब 420 बन गया है, जनता की गाढ़ी से पेट्रोल चोरी हो रहा है।' राहुल के मुताबिक, कर्नाटक सरकार ने 7 जिलों से पेट्रोल के 14 सैंपल लेकर पाया कि इनमें 20 फीसदी से ज्यादा मिलाई। इंडियन ऑयल के एक सैंपल में यह 31.2 फीसदी और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के सैंपल में 30.5 फीसदी थी। हालांकि, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने जांच के नतीजों पर सवाल उठाए हैं। कंपनियों का कहना है कि सैंपल की जांच तय कार्यप्रणाली और तकनीकी मानकों के मुताबिक नहीं हुई। ज्यादा एथेनॉल वाला पेट्रोल इंजनमाल करने से गाड़ियों का माइलेज घट सकता है और मरम्मत का खर्च बढ़ सकता है।

बाल-बाल बची टीम इंडिया!

भारत ने जीता दूसरा वनडे

बारिश ने न्यूजीलैंड की उम्मीदों पर फेरा पानी, सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में डकवर्थ लुईस नियम के हिसाब से चार रन से जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, 135 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की हालत खराब हो गई थी। टीम ने 26 ओवर में सात विकेट गंवाकर 113 रन बनाए थे और उसे जीत के लिए 22 रन की जरूरत थी। तभी बारिश ने मुकाबले में खलल डाल दिया। काफी इंतजार के बावजूद खेल दोबारा शुरू नहीं हो सका। ऐसे में डकवर्थ लुईस नियम के तहत भारत को चार रन से विजेता घोषित कर दिया गया। एक समय न्यूजीलैंड की टीम जीत की उम्मीद करने लगी थी, लेकिन बारिश ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने छोटे लक्ष्य के बावजूद भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। काइल जेमीसन और जैकब डफी ने तीन-तीन विकेट लेकर भारतीय पारी को झकझोर दिया। मैट फिशर को एक सफलता मिली। जेमीसन ने खास तौर पर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने श्रेयस अय्यर को शॉर्ट गेंद पर कैच आउट कराया।

DLS के तहत चार रन आगे था भारत

बारिश के कारण जब मुकाबला रोका गया, तब भारत को 126 गेंद में 22 रन बनाने थे। हालांकि, डकवर्थ लुईस नियम के तहत उस समय भारत का पार स्कोर 109 रन था, जबकि टीम इंडिया सात विकेट के नुकसान पर 113 रन बना चुकी थी। यानी भारत निर्धारित मानक से चार रन आगे था। इसका मतलब था कि अगर बारिश के कारण आगे खेल नहीं हो पाता है तो भारत चार रन से मुकाबला जीत जाएगा। आखिरकार ऐसा ही हुआ। स्थानीय समय के हिसाब से रात 11 बजे मैच दोबारा शुरू कराने की अंतिम समय सीमा थी, लेकिन बारिश नहीं रुकी और मुकाबला आगे नहीं खेला जा सका।

गुरनूर की घातक गेंदबाजी, 134 रन पर सिमटा न्यूजीलैंड

इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम को 134 रन पर समेट दिया था। डेरिल मिचेल ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाए, जबकि कप्तान मिचेल सैंटनर ने 31 रन का योगदान दिया। हेनरी निकोल्स 11 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। भारत की ओर से गुरनूर बराड़ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। आकिब नबी, अंशुल कंबोज और अक्षर पटेल को दो-दो विकेट मिले। न्यूजीलैंड की टीम पहला वनडे भी गंवा चुकी थी। दूसरे मुकाबले में बारिश के कारण भारत को मिली जीत के साथ ही टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

लड़खड़ाई टीम इंडिया, 7 विकेट गंवाए

दरअसल, बारिश के कारण वेलिंग्टन में खेला गया यह दूसरा वनडे एक घंटे की देरी से शुरू हुआ था। सुबह साढ़े सात बजे की जगह मैच सुबह साढ़े आठ बजे शुरू हुआ था। अंपायर्स ने ओवर्स में कटौती भी की थी और मैच 47-47 ओवर का कर दिया गया था। हालांकि, न्यूजीलैंड की टीम 41 ओवर में 134 रन पर सिमट गई थी। भारतीय टीम को जीत के लिए 135 रन का लक्ष्य मिला था। छोटे लक्ष्य के बावजूद भारतीय बल्लेबाजों ने



निराश किया और नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। कप्तान शुभमन गिल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए, जबकि विराट कोहली सात रन ही बना सके। रोहित शर्मा ने 23 रन की पारी खेली, लेकिन वह भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। अक्षर पटेल सात रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी हुई। श्रेयस 46 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। नमन धीर ने 12 रन बनाए, जबकि अंशुल कंबोज एक रन बनाकर आउट हुए। बारिश के कारण खेल रुकने तक केएल राहुल 26 और आकिब नबी एक रन बनाकर नाबाद थे। भारत का स्कोर 26 ओवर में सात विकेट पर 113 रन था।

आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं रितू देवी मुन्ना चौहान आम जनता को सूचित करना चाहती हूँ कि श्री बालु मानिक खावले, श्री हिरू मानिक खावले, श्री वसंत मानिक खावले व श्रीमती संगीता राजू साबले (संगीता मानिक खावले) ने अपनी मालकी वाली प्रापर्टी का हक वास्ता मुझे नोटरी गिफ्ट डीड सीरिय नंबर 859, दिनांक 2/11/2026 के माध्यम से सौंपा है। प्रापर्टी का विवरण है- शॉप एट मिलन नगर, उल्हासनगर-3 तथा जिसका उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 27बीओ019456700 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं रितू देवी मुन्ना चौहान अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रही हूँ। अत: इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफ नेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

सही- रितू देवी मुन्ना चौहान। (U)

आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं अख्तर हुसैन रमजानअली अंसारी आम जनता को सूचित करना चाहता हूँ कि मैंने श्री तरूण जितेन्द्र साबलानी से उनकी मालकी वाली प्रापर्टी का सौदा नोटरी सेल एग्रीमेंट सीरियल नंबर 534, दिनांक 31/3/2026 के माध्यम से किया है। प्रापर्टी का विवरण है- शॉप नंबर 30, दूसरा माला, मोना मार्केट, यू नंबर 193, शीट नंबर 71, यू नंबर 89, 90 व 91, शीट नंबर 72, उल्हासनगर-2 तथा जिसका उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 16बीआई0159270000 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं अख्तर हुसैन रमजानअली अंसारी अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रहा हूँ। अत: इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफ नेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

सही- अख्तर हुसैन रमजानअली अंसारी। (U)

आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं अशोक कुमार बागेश्वर राय आम जनता को सूचित करना चाहता हूँ कि मैंने श्री राजेश श्री द्वारिकाप्रसाद जैसवार से उनकी मालकी वाली प्रापर्टी का सौदा नोटरी सेल एग्रीमेंट सीरियल नंबर 801, दिनांक 29/10/2026 के माध्यम से किया है। प्रापर्टी का विवरण है- हाऊस एट रमाबाई आंबेडकर नगर, उल्हासनगर-2 तथा जिसका उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 19बीओ022341800 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं अशोक कुमार बागेश्वर राय अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रहा हूँ। अत: इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफ नेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

सही- अशोक कुमार बागेश्वर राय। (U)

आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं दत्ताराम हरेश देसाई आम जनता को सूचित करना चाहता हूँ कि मैंने श्री हरेश बिजलाल वलेच्छा व श्रीमती हेमा बिजलाल वलेच्छा से उनकी मालकी वाली प्रापर्टी का सौदा नोटरी सेल एग्रीमेंट सीरियल नंबर 674, दिनांक 2/6/2026 के माध्यम से किया है। प्रापर्टी का विवरण है- रूम नंबर 7, ग्राउंड फ्लोर, बैरक नंबर 957, रूम नंबर 18, सेक्शन-22, उल्हासनगर-3 तथा जिसका उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 34सीओ021588500 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं दत्ताराम हरेश देसाई अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रहा हूँ। अत: इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफ नेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

सही- दत्ताराम हरेश देसाई। (U)

आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं पारूमल सांवलदास रेलवानी आम जनता को सूचित करना चाहता हूँ कि मैंने श्री किशोर मेंघराजमल चावला व श्रीमती मनीषा किशोर चावला से उनकी मालकी वाली प्रापर्टी का सौदा नोटरी सेल एग्रीमेंट दिनांक 23/8/2007 के माध्यम से किया है। प्रापर्टी का विवरण है- फ्लेट नंबर 203, दूसरा माला, संत पोहुराम अपार्टमेंट, रूम नंबर 11 व 12, बैरक नंबर 209-ए, उल्हासनगर-1 तथा जिसका उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 17एआई0160059000 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं पारूमल सांवलदास रेलवानी अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रहा हूँ। अत: इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफ नेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

सही- पारूमल सांवलदास रेलवानी। (U)

केंद्र सरकार के युवा मंत्रालय की ओर से एस.एस.टी. महाविद्यालय में 'विकसित भारत युवा संवाद' का सफल आयोजन!

'Know Your Vote' पहल के माध्यम से युवाओं में मतदान के अधिकार एवं लोकतंत्र के प्रति जागरूकता

उल्हासनगर।'जागरूक मतदाता ही सशक्त लोकतंत्र की असली ताकत है' इस संदेश के साथ एस.एस.टी. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, उल्हासनगर में 'विकसित भारत युवा संवाद-Know Your Vote' नामक विशेष मतदाता जागरूकता कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रसार करने, मतदान के अधिकार के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में ठाणे जिले के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से आयोजित इस पहल में मतदान का महत्त्व, चुनाव प्रक्रिया, मतदाताओं के अधिकार एवं कर्तव्य तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। 'विकसित भारत के सपने को साकार करने में जागरूक एवं जिम्मेदार युवा मतदाताओं की भूमिका निर्णायक है', यह संदेश कार्यक्रम के माध्यम से दिया गया।



इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पुरस्वानी, प्रभारी प्राचार्य डॉ. दीपक गवादे, माय भारत के ठाणे जिला समन्वयक अभिलाष म्हस्के, मुंबई विश्वविद्यालय के ठाणे जिला एनएसएस समन्वयक तथा महाविद्यालय के उपप्राचार्य प्रा. जीवन विचारे, माय भारत के विभागीय समन्वयक सुनील गमरे, एनएसएस विभागीय समन्वयक प्रा. नीरज मिश्रा तथा प्रा. डॉ. राजू रुपवते सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान युवा आइकॉन मंशा खत्री ने युवाओं के साथ प्रभावी संवाद करते हुए उन्हें बताया कि मतदान केवल एक अधिकार ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति एक महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। उन्होंने युवाओं से चुनाव प्रक्रिया के प्रति जागरूक रहने तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में उपप्राचार्य प्रा. जीवन विचारे, प्रा. मयूर माथुर, प्रा. दत्तात्रय पांढरे, प्रा. नम्रता सिंह, प्रा. सुरभी त्रिवेदी तथा एनएसएस स्वयंसेवकों ने विशेष योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हर्षदा देरकर ने किया। ठाणे जिले के युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी और मतदान जागरूकता के प्रभावी संदेश के साथ यह आयोजन लोकतांत्रिक

टोरेंट पावर के खिलाफ आंदोलन और सड़क जाम करने के आरोप में 7 नामजद सहित 10 से 15 लोगों पर मामला दर्ज

भिवंडी (नि.सं.)। टोरेंट पावर कंपनी के खिलाफ बिना अनुमति आंदोलन कर सार्वजनिक सड़क पर यातायात बाधित करने के आरोप में भिवंडी शहर पुलिस ने सात नामजद सहित 10 से 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों ने स्व. आनंद दिघे चौक पर टोरेंट पावर कंपनी के विरोध में नारेबाजी करते हुए सड़क जाम कर दिया था। पुलिस के समझाने के बावजूद आंदोलनकारियों द्वारा रास्ता खाली नहीं किए जाने पर पुलिस ने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की।

पुलिस ने बताया कि 6 नवंबर 2026 को शाम करीब 5.50 से 6.20 बजे के बीच स्व. आनंद दिघे चौक पर आरोपियों ने बिना किसी अनुमति के आंदोलन किया। इस दौरान उन्होंने सुशील कुमार रमेश आवटे के समर्थन में टोरेंट पावर कंपनी के खिलाफ 'टोरेंट गो बैक' और 'प्रशासन हाय-हाय' जैसे नारे लगाए। आंदोलन के कारण सार्वजनिक सड़क पर यातायात ठप हो गया और नागरिकों तथा वाहनों की आवाजाही बाधित हुई। भिवंडी शहर पुलिस के पुलिस कर्मचारी दिनेश रामू भोये (35) की शिकायत के मुताबिक आंदोलनकारियों को सड़क से हटकर यातायात सुचारु करने के लिए मौखिक रूप से समझाया गया था। लेकिन उन्होंने जानबूझकर रास्ता रोकना जारी रखा। इससे सार्वजनिक शांति भंग हुई और ठाणे शहर के पुलिस उपायुक्त (विशेष शाखा) द्वारा जारी निषेधाज्ञा का उल्लंघन भी किया गया। इस मामले में पुलिस ने आकाश दिनकर (34), हनुमंत बहीर (39), अशोक मिरकौन (32), मोहम्मद तुफैल अंसारी (38), रिजवान अंसारी (55), तिरुपति वेंकटराम श्रीपुरम (64) और शादाब मिर्जा (32) सहित अन्य 10 से 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार फिलहाल किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। भिवंडी शहर पुलिस ने बीएनएस की धारा 223, 285 और 126(2) तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम 1951 की धारा 37(1), 37(3) और 135 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की

आग की घटनाओं पर रोक के लिए नवी मुंबई मनपा अग्निशमन विभाग का विशेष जागरूकता अभियान

नवी मुंबई (सनी पांडेय)। दिवाली के पावन पर्व पर घरों और इमारतों में आकर्षक रोशनी तथा पटाखों की आतिशबाजी के दौरान आग लगने के जोखिम को देखते हुए नवी मुंबई मनपा के अग्निशमन विभाग ने कमर कस ली है. किसी भी अप्रिय घटना से बचाव और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मनपा आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन तथा शहर अभियंता एवं अग्निशमन विभाग प्रमुख शिरीष आरदवाड के नियंत्रण में आनंदी दिवाली, सुरक्षित दिवाली विशेष जन-जागरूकता अभियान शुरू किया गया है।

इस अभियान के तहत उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी पुरुषोत्तम जाधव सहित दमकल केंद्र के अधिकारी और जवान शहर की विभिन्न रिहायशी सोसायटियों में जाकर सूचना पत्रक बांट रहे हैं तथा लोगों को सुरक्षा उपायों की जानकारी दे रहे हैं। इसके साथ ही विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से दीपक जले रोशनी का, न फैले अंधेरा लापरवाही का का संदेश प्रसारित किया जा रहा है. अग्निशमन विभाग ने त्योहार के दौरान नागरिकों से खास एहतियात बरतने की अपील की है. पटाखों का उपयोग करते समय सूती वस्त्र पहनने, बंद जूते तथा आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मे का इस्तेमाल करने और बच्चों को हमेशा बड़ों की देखरेख में ही पटाखे जलाने की सलाह दी गई है। साथ ही पटाखे जलाते समय सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए लंबी अगरबत्ती अथवा मोमबत्ती का उपयोग करना चाहिए और हमेशा खुले मैदान में एक बार में एक ही पटाखा जलाना चाहिए, किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटने के लिए, पास में पानी या रेत से भरी बाल्टी रखना अनिवार्य बताया गया है. इसके साथ ही विभाग ने कुछ सख्त चेतावनियां भी जारी की हैं. घरों के भीतर, सीढ़ियों, बिजली के तारों, गैस पाइपलाइन तथा पार्किंग क्षेत्र में पटाखे फोड़ने पर पूरी तरह परहेज करने को कहा गया है. हवा में उड़ने वाले रॉकेट से लोगों, जानवरों और आसपास के घरों को खतरा न हो, इसका विशेष ध्यान रखना जरूरी है, यदि कोई पटाखा न फटे तो उसे दोबारा जलाने का खतरनाक प्रयास न करें और पटाखों के बारूद में किसी तरह की छेड़छाड़ करने या उन्हें जेब में रखने से बचें. विद्युत रोशनी के दौरान तारों पर अतिरिक्त भार और अनाधिकृत कनेक्शन से बचने तथा सभी बिजली के काम केवल प्रशिक्षित इलेक्ट्रीशियन से ही करवाने का आग्रह किया गया है, ताकि हर घर में दिवाली का उल्लास पूरी तरह

एनएमएमटी बसों में गूंजेगी दिवाली की शुभकामनाएं

सफर के दौरान यात्रियों को मिलेगा जल संरक्षण और पर्यावरण रक्षा का संदेश



नवी मुंबई (नि.सं.)। दिवाली के पावन अवसर पर नवी मुंबई मनपा ने शहरवासियों को जागरूक करने के लिए एक अनूठी पहल की है. मनपा प्रशासन अब एनएमएमटी बसों के ऑडियो सिस्टम के जरिए यात्रियों तक पर्व की शुभकामनाओं के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और नागरिक जिम्मेदारियों का खास संदेश पहुंचा रही है. होर्डिंग्स, बैनर और सोशल मीडिया के पारंपरिक प्रचार के बाद सार्वजनिक परिवहन में शुरू हुआ यह ऑडियो अभियान शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बसों में प्रसारित किए जा रहे इस विशेष संदेश में दिवाली को आनंद, उत्साह और प्रकाश का पर्व बताते हुए नागरिकों से पानी का संयम से उपयोग करने तथा पटाखों का इस्तेमाल सीमित या बंद करके ध्वनि और वायु प्रदूषण रोकने की अपील की जा रही है। इसके साथ ही संभावित आगजनी के खतरों से सतर्क रहने और आतिशबाजी के दौरान बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया गया है. इस पहल के माध्यम से स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन के प्रति लोगों को सजग करने के साथ ही शहर के बुनियादी विकास के लिए समय पर प्रॉपर्टी टैक्स भरने का भी आह्वान किया गया है, ताकि नागरिक किसी भी कानूनी या दंडात्मक कार्रवाई से बच सकें. 'हमारी नवी मुंबई, हमारा अभिमान, हमारी जिम्मेदारी' की भावना को केंद्र में रखकर चलाई जा रही इस मुहिम का उद्देश्य त्योहार की खुशियों के बीच हर नागरिक को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित शहर के निर्माण में

10वीं-12वीं की फरवरी-मार्च 2027 परीक्षा का फाइनल टाइमटेबल जारी

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल ने फरवरी-मार्च 2027 में आयोजित होने वाली 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का अंतिम टाइमटेबल जारी कर दिया है। बोर्ड की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, 12वीं की लिखित परीक्षाएं 8 फरवरी 2027 से शुरू होंगी, जबकि 10वीं की लिखित परीक्षाओं का आगाज 15 फरवरी 2027 से होगा। इसके साथ ही प्रैक्टिकल, मौखिक और आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाओं की तारीखें भी निर्धारित कर दी गई हैं। बोर्ड ने इस संबंध में आधिकारिक परिपत्र जारी किया है। विद्यार्थी महाराष्ट्र बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर परीक्षा का टाइमटेबल देख सकते हैं। इस बार राज्य के पुणे, नागपुर, छत्रपति संभाजीनगर, मुंबई, कोल्हापुर, अमरावती, नासिक, लातूर और कोंकण सहित सभी नौ विभागीय मंडलों के माध्यम से परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

महाराष्ट्र बोर्ड के अनुसार, 12वीं यानी उच्च माध्यमिक प्रमाणपत्र (एचएससी) की प्रैक्टिकल, श्रेणी, मौखिक और आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाएं 20 जनवरी 2027 से 6 फरवरी 2027 तक आयोजित की जाएंगी। वहीं, 12वीं की लिखित परीक्षाएं 8 फरवरी 2027 से शुरू होकर 18 मार्च 2027 तक चलेंगी। बोर्ड ने विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय को ध्यान में रखते हुए अंतिम कार्यक्रम घोषित किया है। इसी तरह 10वीं यानी माध्यमिक शालांत प्रमाणपत्र (एसएससी) की प्रैक्टिकल, श्रेणी, मौखिक और आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाएं 28 जनवरी 2027 से 13 फरवरी 2027 तक होंगी। 10वीं की लिखित परीक्षाएं 15 फरवरी 2027 से शुरू होकर 15 मार्च 2027 तक आयोजित की जाएंगी। टाइमटेबल जारी होने के बाद अब विद्यार्थियों को अपनी परीक्षा की तैयारी और रिवीजन की योजना बनाने में आसानी होगी। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल ने बताया है कि दोनों परीक्षाओं का टाइमटेबल 6 नवंबर 2026 से आधिकारिक वेबसाइट www.mahahsscboard.in पर उपलब्ध करा दिया गया है। विद्यार्थी वेबसाइट पर जाकर इसे डाउनलोड कर सकते हैं। हालांकि, बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि वेबसाइट पर उपलब्ध टाइमटेबल केवल जानकारी के लिए है। स्कूल या जूनियर कॉलेज के माध्यम से मिलने वाला प्रिंटेड टाइमटेबल

मंदी, महंगे कच्चे माल और बढ़ती उत्पादन लागत से परेशान उद्यमियों का फैसला

भिवंडी का सायजिंग उद्योग 8 नवंबर से अनिश्चितकाल के लिए बंद

भिवंडी (नि.सं.)। कपड़ा उद्योग में छाई मंदी और कच्चे माल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि का सीधा असर भिवंडी के सायजिंग उद्योग पर पड़ रहा है। इसके साथ ही कुशल मजदूरों की कमी, वेतन में भारी बढ़ोतरी तथा सरकारी विभागों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की बाध्यता के चलते सायजिंग उद्योग की उत्पादन लागत में काफी इजाफा हुआ है। लगातार बिगड़ती आर्थिक परिस्थितियों के कारण उद्योग संचालकों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। इन समस्याओं पर गंभीरता से विचार-विमर्श और स्थायी समाधान तलाशने के उद्देश्य से 6 नवंबर 2026 को भिवंडी सायजिंग वेलफेयर एसोसिएशन की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसोसिएशन के बड़ी संख्या में सदस्य एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सायजिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अजयकुमार यादव ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा के बाद सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। जिसमें परमुख रूप से भिवंडी का समस्त सायजिंग उद्योग 8 नवंबर 2026 को सुबह 7 बजे से अनिश्चितकाल के लिए पूरी तरह बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

बैठक में यह भी तय किया गया कि बंदी के एक सप्ताह बाद एसोसिएशन की दोबारा बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें मौजूदा परिस्थितियों की समीक्षा करने के साथ सायजिंग की दरों में बढ़ोतरी और उद्योग की बंदी को आगे जारी रखने अथवा समाप्त करने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। एसोसिएशन ने यह भी स्पष्ट किया है कि सकारात्मक समाधान निकलने के बाद जब सायजिंग उद्योग दोबारा शुरू होगा,तब विभिन्न सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अनुमन्य ईंधन, जैसे कोयला और बायोफ्यूल के इस्तेमाल को सुनिश्चित किया जाएगा। भिवंडी के कपड़ा उद्योग की अर्थव्यवस्था में सायजिंग उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में इस अनिश्चितकालीन बंदी का असर कपड़ा कारोबार से जुड़े अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों पर भी पड़ने की आशंका है। अब उद्योग संचालकों की निगाहें आगामी बैठक और समस्या





क्रमांक माहय/दिपावली २०२६/२०२६-२७/का-५/७१७, माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, महाराष्ट्र शासन, मंत्रालय, मुंबई-४०००३२ / दि. ०६/११/२०२६